www.tamsasanket.com

वर्षः 06 || अंक 175 || लखनऊ

गुरूवार

17 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2

आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:52
सूर्यास्तः 06:09
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 26°00

» पेज 07

विशेष समाचार | भ्रष्टाचार की शपथ से भ्रष्टाचार... » पेज 04 | सेवा संकल्प अभियान... » पेज 06 | तृषा को थलापति विजय के साथ न दिखने ...5

पीएफ की वेतन सीमा ₹15 हजार से बढ़ाकर ₹25 हजार, 51 लाख कर्मचारियों को फायदा मिलने का दावा

25 हजार तक बेसिक सैलरी वालों का पीएफ होगा अनिवार्य

बदलाव

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। नौकरीपेशा लोगों के लिए प्रोविडेंट फंड यानी पीएफ से जुड़ा बड़ा बदलाव सामने आया है। केंद्रीय कैबिनेट ने पीएफ के लिए बेसिक सैलरी की सीमा को 15 हजार रुपये से बढ़ाकर 25 हजार रुपये करने का फैसला किया है। नई सीमा लागू होने के बाद 25 हजार रुपये तक की बेसिक सैलरी और महंगाई भत्ता पाने वाले कर्मचारियों के लिए पीएफ कवरेज का दायरा बढ़ेगा। सरकार की ओर से बताया गया है कि इस बदलाव से करीब 51 लाख कर्मचारियों को पीएफ बचत और पेंशन का लाभ मिल सकता है। अब तक पीएफ के लिए वेतन सीमा 15 हजार रुपये थी। वर्ष 2014 में सरकार ने इस सीमा को 6,500 रुपये से बढ़ाकर 15 हजार रुपये किया था। प्रस्तावित बदलाव के बाद यह सीमा 25 हजार रुपये हो जाएगी। हालांकि यहां यह समझना जरूरी है कि पीएफ की यह सीमा पूरी ग्रॉस सैलरी या सीटीसी पर नहीं, बल्कि निर्धारित बेसिक वेतन और डीए से जुड़ी होगी। अगर 30 हजार रुपये बेसिक और डीए वाले कर्मचारी के मामले में कंपनी 25 हजार रुपये की सीमा पर पीएफ योगदान करती है, तो 12 फीसदी के हिसाब से कर्मचारी की ओर से 3,000 रुपये और कंपनी की ओर से 3,000 रुपये का योगदान होगा। यानी कुल योगदान 6,000 रुपये प्रतिमाह होगा। बाकी 5,000 रुपये पर इस सीमा के तहत पीएफ योगदान नहीं होगा।

उदाहरण से समझें 20 हजार की सैलरी पर कितना कटेगा पीएफ

मान लीजिए किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी और डीए मिलाकर 20 हजार रुपये है। ऐसे कर्मचारी की सैलरी नई 25 हजार रुपये की सीमा के भीतर आती है। 12 फीसदी कर्मचारी योगदान के हिसाब से हर महीने उसकी सैलरी से करीब 2,400 रुपये पीएफ के लिए कटेंगे। इसी तरह नियोक्ता की ओर से भी निर्धारित योगदान किया जाएगा। यानी कर्मचारी और कंपनी दोनों की ओर से मिलाकर करीब 4,800 रुपये प्रति माह का योगदान बनेगा। वास्तविक खाते में ईपीएफ और ईपीएस के बीच योगदान का विभाजन लागू नियमों के अनुसार होगा।

गणित (₹20,000 की सैलरी पर हिसाब)

- आपकी जेब से कटेगा (12%): ₹2,400 प्रति माह
- कंपनी अपनी तरफ से देगी (12%): ₹2,400 प्रति माह
- हर महीने कुल बचत: ₹4,800 प्रति माह

ईपीएफ की लिमिट का सफर

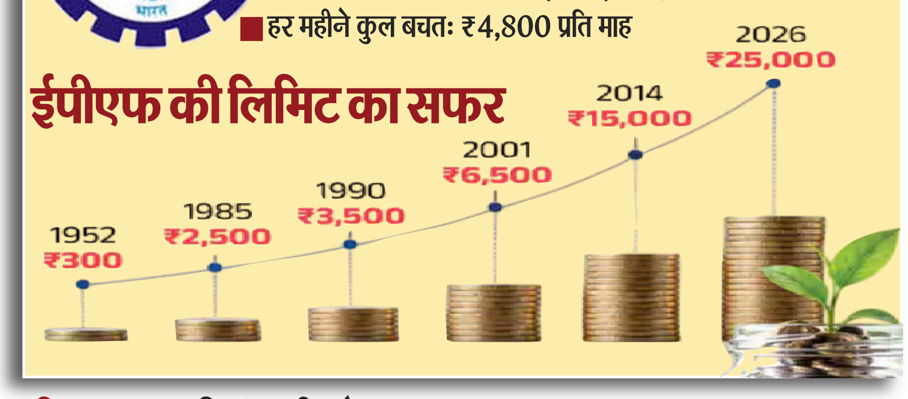

विकल्प एः यदि कंपनी और आप आपसी सहमति से पीएफ काटते हैं

गणित (अगर पूरी ₹30,000 सैलरी पर पीएफ कटे): आपकी जेब से कटेगा (12%): ₹3,600 प्रति माह

कंपनी अपनी तरफ से देगी (12%): ₹3,600 प्रति माह

विकल्प बीः यदि कंपनी ₹25,000 की सीलिंग लिमिट पर ही पीएफ काटना चाहे

आपकी जेब से कटेगा (12% ₹25 हजार): ₹3,000 प्रति माह

कंपनी देगी (12% का ₹25 हजार): ₹3,000 प्रति माह

कुल बचतः ₹6,000 (बाकी ₹5,000 बेसिक सैलरी पर पीएफ नहीं कटेगा)।

2. अगर आपकी सैलरी 25 हजार रुपए तक है

मान लीजिए आपकी बेसिक सैलरी और महंगाई भत्ता (डीए) मिलाकर ₹20,000 है, तो आप सरकार के ₹25,000 वाले नियम के सीधे दायरे में आते हैं।

इसका सीधा सा मतलब यह है कि कंपनी के लिए आपका पीएफ और पेंशन काटना कानूनन जरूरी है। इसमें विकल्प चुनने का कोई रास्ता नहीं है।

30 हजार बेसिक सैलरी होने पर क्या होगा

मान लीजिए किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी और डीए मिलाकर 30 हजार रुपये है। ऐसी स्थिति में वह 25 हजार रुपये की अनिवार्य सीमा से ऊपर होगा। इसलिए नई सीमा के आधार पर कंपनी के लिए पूरे 30 हजार रुपये पर पीएफ जमा करना अनिवार्य नहीं होगा। हालांकि कर्मचारी और नियोक्ता की सहमति तथा लागू नियमों के आधार पर पीएफ योगदान की व्यवस्था अलग हो सकती है। यदि 30 हजार रुपये पर 12 फीसदी की दर से योगदान किया जाए तो कर्मचारी की ओर से 3,600 रुपये और नियोक्ता की ओर से 3,600 रुपये का योगदान होगा। इसलिए किसी कर्मचारी की कुल सीटीसी 40 हजार या 50 हजार रुपये होने का मतलब यह नहीं है कि पीएफ भी उसी पूरी रकम पर कटेगा।

25 हजार तक बेसिक सैलरी वालों को क्या फायदा होगा

अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी और डीए मिलाकर 25 हजार रुपये या इससे कम है तो वह नई सीमा के दायरे में आएगा। ऐसे कर्मचारियों के वेतन से पीएफ योगदान लिया जाएगा और नियोक्ता की ओर से भी निर्धारित योगदान किया जाएगा। इससे कर्मचारी के रिटायरमेंट के लिए बचत के साथ पेंशन संबंधी लाभ का दायरा भी बढ़ेगा। सरकार के अनुसार, देश में अभी करीब 7.89 करोड़ लोग पीएफ के दायरे में हैं। नई सीमा बढ़ने से इसमें और कर्मचारियों के शामिल होने की उम्मीद है।

नोटः पीएफ की वास्तविक कटौती कर्मचारी की वेतन संरचना, पात्रता और लागू ईपीएफ नियमों पर निर्भर करेगी।

इसलिए किसी कर्मचारी की सैलरी से कितनी राशि कटेगी, यह उसकी वेतन पर्ची और लागू नियमों के आधार पर ही तय होगा।

2014 में भी बढ़ी थी पीएफ की सीमा

पीएफ के लिए वेतन सीमा में इससे पहले बड़ा बदलाव वर्ष 2014 में हुआ था। उस समय सरकार ने बेसिक वेतन की सीमा को 6,500 रुपये से बढ़ाकर 15 हजार रुपये किया था। अब इसे 25 हजार रुपये किए जाने की जानकारी सामने आई है। इससे कम वेतन पाने वाले और नए कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा कवरेज का दायरा बढ़ सकता है। पीएफ में कर्मचारी और नियोक्ता दोनों की ओर से योगदान होता है।

कर्मचारी के लिए इसका सबसे बड़ा फायदा लंबे समय में रिटायरमेंट के लिए बचत तैयार होना है। इसके अलावा पात्र कर्मचारियों को पेंशन व्यवस्था से भी लाभ मिलता है। नई सीमा बढ़ने पर ज्यादा कर्मचारियों को इस सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था के दायरे में लाने का प्रयास होगा। इसके लिए वेतन स्लिप में बेसिक वेतन और लागू डीए की राशि देखना जरूरी है।

सत्य निकेतन बिल्डिंग हादसा और लापरवाही का नतीजा : दिल्ली हाईकोर्ट

यह सामान्य दुर्घटना नहीं, 10 दिन पहले गिरा था 5 मंजिला हॉस्टल

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को सुनवाई के दौरान कहा कि सत्य निकेतन में हॉस्टल की बिल्डिंग गिरना सामान्य हादसा नहीं था। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की बेंच ने कहा कि 4 छात्र छोटे शहरों से करियर बनाने की उम्मीद लेकर दिल्ली आए थे। कुछ लोगों के लापरवाह और आपराधिक रवैए ने उनके सपने तोड़ दिए। सत्य निकेतन में दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास लड़कों के लिए 5 मंजिला पेइंग-गेस्ट हॉस्टल था। 6 सितंबर को मरम्मत के दौरान यह इमारत गिर गई थी। मलबे में दबने से 7 लोगों की मौत हुई थी। कई घायल भी हुए थे। एडीशनल सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने बताया कि घटना के बाद अधिकारियों ने कई कदम उठाए हैं। इनमें छात्रों के लिए हॉस्टल बनाना भी शामिल है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने कहा कि अधिकारियों ने घटना के बाद कई कदम उठाए हैं। इनमें छात्रों के लिए जमीन और अन्य सुविधाओं की पहचान कर उन्हें अलग रखना भी शामिल है। बेंच ने कहा, ‘हॉस्टल की कमी कोई नई समस्या नहीं है। इसके बारे में कौन नहीं जानता। स्टूडेंट्स पढ़ाई के लिए दिल्ली आ रहे हैं। देखिए, क्या हो गया।”

» (शेष पेज 06 पर)

टीएमसी सिंबल पर जल्द फैसला ले सकता है चुनाव आयोग

दोनों गुटों को बैठक के लिए बुलाया, 6 अक्टूबर को दो सीटों पर उपचुनाव

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। चुनाव आयोग गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस के चुनाव चिह्न पर अंतरिम आदेश दे सकता है। दोनों गुटों ने एक ही चिह्न पर उम्मीदवार उतारे हैं। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों पर 6 अक्टूबर को उपचुनाव हैं। आयोग ने दोनों गुटों को गुरुवार की बैठक में मौजूद रहने को कहा है। चुनाव आयोग के अधिकारियों के मुताबिक, दोनों गुटों ने नंदीग्राम और रेजीनगर सीटों पर अपने-अपने उम्मीदवार उतारे हैं। दोनों ने तृणमूल कांग्रेस के आधिकारिक चुनाव चिह्न ‘घास पर दो फूल’ का इस्तेमाल किया है। रीताब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी TMC धड़े से मोहम्मद एतेशामुल हक नंदीग्राम और सफीउद्दीन शेख रेजीनगर से चुनाव लड़ेंगे। वहीं, पूर्व सीएम ममता बनर्जी की TMC ने रविवार को नंदीग्राम से संचिता प्रधान (डे) और रेजीनगर से रबीउल आलम चौधरी को उम्मीदवार घोषित किया गया था। इस क्षेत्र में 2007 के भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन ने ममता बनर्जी और TMC को 2011 में सत्ता तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई थी।

फास्ट न्यूज

महुआ मोइत्रा का आरोप- मुझ पर अंडे फेंके गए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के तेहट्टा में बुधवार को TMC सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ प्रदर्शन हुआ। महुआ ने कहा कि इस दौरान उनके ऊपर अंडे फेंके गए। घटना के बाद महुआ ने वीडियो जारी किया। उन्होंने, “मैं पश्चिम बंगाल पुलिस को सूचना देकर अपने क्षेत्र में एक मीटिंग के लिए आई थी।

महिला ने कार से 7 लोगों को मारी टक्कर, गिरफ्तार

नागपुर। नागपुर के गोरेवाड़ा इलाके में मंगलवार रात तेज रफ्तार कार चला रही एक महिला ने 7 लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में 3 बच्चों समेत 7 लोग घायल हो गए। इनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। महिला सेल्टोस कार चला रही थी। तेज रफ्तार कार ने सबसे पहले बालू कुलमथे की एसयूवी को टक्कर मारी। उस समय बालू अपने बच्चों के साथ कार से बाहर निकल रहे थे। इसी दौरान कार ने बालू और उनके बच्चों को भी टक्कर मार दी। पुलिस को शक है कि हादसे के समय महिला नशे में गाड़ी चला रही थी। मेडिकल जांच की रिपोर्ट आने के बाद इसका पता चलेगा।

मणिपुर में 2 कुकी महिलाओं की गोली मारकर हत्या

तामेंगलोंग। मणिपुर के तामेंगलोंग जिले के लीसांगफाई गांव में मंगलवार को दो कुकी महिलाओं की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके अलावा कई फार्महाउसों में आग लगा दी गई। राज्य सरकार ने विधानसभा में बताया था कि 3 मई 2023 को जातीय हिंसा शुरू होने के बाद अगस्त तक कम से कम 306 लोगों की मौत हुई है।

मैं दिशा सालियान को नहीं जानता : आदित्य ठाकरे

एक्टर सुशांत सिंह की मैनेजर थीं, 6 साल पहले 12वीं मंजिल से गिरने से मौत हुई थी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। शिवसेना (UBT) नेता आदित्य ठाकरे ने बुधवार को दावा किया कि वह दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिवंगत दिशा सालियन को कभी नहीं जानते थे और न ही उनसे कभी मिले थे। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि कुछ लोग राजनीतिक फायदे के लिए उन्हें बदनाम करने के लिए जानबूझकर उनका नाम इस मामले से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। आदित्य का यह बयान CBI की तरफ से 2020 के दिशा मौत मामले में FIR दर्ज करने के 2 दिन बाद आया है। FIR में किसी को आरोपी नहीं बनाया गया है। 28 साल की सालियन की मौत 8 जून, 2020 को मुंबई के मलाड इलाके में एक रिहायशी इमारत की 12वीं मंजिल से गिरने के बाद हुई थी। पुलिस ने एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट (ADR) दर्ज की थी और बाद में जांच के बाद दावा किया कि यह आत्महत्या का मामला था। बॉम्बे हाईकोर्ट के निर्देश के बाद दिशा के पिता सतीश सालियान ने कहा था कि दिशा का गैंगरेप और हत्या हुई। मामले को दबाने की कोशिश की गई।

» (शेष पेज 06 पर)

गुजरात कांग्रेस नेता का बेटा फर्जी पासपोर्ट केस में गिरफ्तार

गुजरात ATS ने प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गीताबेन पटेल के बेटे हरिकेश पटेल को फर्जी पासपोर्ट केस में गिरफ्तार किया है। अहमदाबाद में रहने वाले हरिकेश को 12 सितंबर को गिरफ्तार किया गया है, 13 सितंबर को अदालत से उसे 6 दिन की रिमांड पर भेज दिया है। पटेल ने पावरबैंक ऐप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में अपना भारतीय पासपोर्ट अदालत में जमा किया था। इसके बाद उसने पासपोर्ट खोने की झूठी शिकायत दर्ज कराई और दूसरा पासपोर्ट बनवाया। पटेल ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस की सुनवाई के दौरान अपना भारतीय पासपोर्ट अदालत में जमा किया था। अधिकारियों के मुताबिक, पटेल ने फर्जी दस्तावेज और गलत जानकारी देकर दूसरा पासपोर्ट हासिल कर लिया। इस पासपोर्ट का नंबर C0538007 है।

19 सितंबर से शुरू होगा काम, अब तक साढ़े 9 लाख नौकरियां दे चुके

यूपी चुनाव 2027 से पहले 1 लाख नौजवानों को मिलेगी सरकारी नौकरी

> डॉ. शर्मिला पोद्दार ने कहा- यह ब्लड बैंक चैरिटेबल है। आसानी से सभी की पहुंच में है। चूंकि यह डॉक्टरों द्वारा संचालित है, इसलिए इसका प्रबंधन बहुत अच्छा होगा। मरीजों को भी आसानी से जानकारी मिल सकेगी कि यहां रक्त उपलब्ध है।

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। सीएम योगी बुधवार को गोरखपुर में हैं। यहां योगी ने कहा- अगले 6 महीने में विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले 1 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देंगे। यह काम 19 सितंबर से शुरू करने जा रहे हैं। सरकारी स्कूलों में हजारों शिक्षकों की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी हो चुके हैं। हमने इससे पहले साढ़े 9 लाख लोगों को नौकरी दी है। 2017 से पहले नौकरी निकलती थी और सैफई सिंडिकेट वसूली के लिए निकल पड़ता था। किसी नौजवान को नौकरी नहीं मिलती थी। सौदेबाजी होती थी। कोर्ट में जाना पड़ता था। लूट-खसोट और अराजकता उनकी दिमागी खुरापात का हिस्सा था। गोरखपुर में सीएम योगी 2 कार्यक्रमों में शामिल हुए। पहला- सुबह इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के चैरिटेबल ब्लड सेंटर का लोकार्पण किया।

» (शेष पेज 06 पर)

40 करोड़ की सौगात मिली गोरखपुर को

सीएम योगी बोले- पेशेवर डोनर से सजग रहिए

CM योगी ने कहा- गोरखपुर में आने पर सबसे पहला व पवित्र काम आईएमए के ब्लड बैंक को शुरू करने का किया है। मेरी आपसे अपील है कि ब्लड की जो मांग है, उसके मुताबिक आपूर्ति नहीं कर पाते हैं। वालंटियर डोनर के लिए डॉक्टरों को सोशल मीडिया का उपयोग करना चाहिए। अपील जारी करनी चाहिए। जो पेशेवर रक्तदाता हैं।

योगी बोले- आज यूपी कर्फ्यू और दंगा मुक्त है

कल्याण मंडपम के उद्घाटन में योगी ने कहा- आज यूपी कर्फ्यू मुक्त है, दंगा मुक्त है। अपराधी या तो जेल में हैं या दूसरे लोक की यात्रा पर जा चुके हैं। अब खुलेआम किसी को धमकी नहीं दे सकते, अपराध नहीं कर सकते। हर व्यक्ति सुरक्षित है, हर व्यक्ति के लिए सुरक्षा की गारंटी है। उन्होंने कहा- रामगढ़ताल के बारे में कोई सोचता था कि इतना सुंदर होगा। देश और दुनिया को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। पहले गंदा था। वास्तव में ये गंदगी और बीमारी गोरखपुर की नहीं थी, बल्कि यह गंदगी और बीमारी सपा-कांग्रेस सरकारों की गंदी मानसिकता का परिणाम था। पहले गंदगी थी, अपराध था, किसी को कोई सुविधा नहीं थी। आज सबको सुविधा मिल रही है।

यूपीआई पर चार्ज विदेशी दबाव में नहीं लगाया : सरकार

राहुल ने कहा था- इससे अमेरिका को फायदा होगा, फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि UPI नियमों में बदलाव किसी विदेशी दबाव में नहीं लाया गया है। मंत्रालय ने कहा कि UPI से जुड़े फैसले भारत की घरेलू जरूरतों के आधार पर स्वतंत्र रूप से लिए गए हैं। एक अफसर ने बताया कि इस फैसले को पलटने का सवाल ही नहीं उठता। इससे पहले राहुल गांधी ने UPI पर टैक्स लगाने के फैसले की आलोचना की थी। उन्होंने X पर वीडियो जारी कर आरोप लगाया था कि इस फैसले से अमेरिका को फायदा होगा और सरकार को इसे वापस लेना चाहिए। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका (PIL) भी दायर की गई है। इस याचिका में अदालत से सरकार के इस नए नियम को तुरंत रद्द करने की मांग की गई है। दरअसल, सरकार ने मंगलवार को आदेश दिया था कि 15 अक्टूबर 2026 से 2,000 से ज्यादा के चुनिंदा UPI मर्चेंट पेमेंट पर 0.4% MDR लगेगा। इसकी अधिकतम सीमा 300 प्रति ट्रांजैक्शन होगी। यह शुल्क मर्चेंट से लिया जाएगा, ग्राहक से नहीं।

» (शेष पेज 06 पर)

जिरोधा के फाउंडर बोले- मर्चेंट और ब्रोकर के बीच बड़ा फर्क है

भारत की सबसे बड़ी स्टॉक ट्रेडिंग कंपनी जिरोधा के फाउंडर और CEO नितिन कामथ ने कहा कि UPI का इस्तेमाल बहुत बड़े पैमाने पर होने लगा है, जिसके बाद MDR शायद जरूरी हो, लेकिन इन्वेस्टिंग और ब्रोकिंग जैसे मामलों में मौजूदा एमडीआर फ्रेमवर्क प्रैक्टिकल नहीं लगता उनके मुताबिक, सामान्य मर्चेंट और ब्रोकर के बीच बड़ा फर्क है।

नौकरी से नहीं हटाए जाएंगे, कैशलेस इलाज होगा, महिलाओं को मातृत्व लीव मिलेगी

यूपी में पंचायत सहायकों का वेतन 50% बढ़ा

निर्णय

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । धरने पर बैठे पंचायत सहायकों को लेकर योगी सरकार ने बड़ा फैसला किया है। उनका मानदेय 3 हजार रुपए बढ़ा दिया है। अब उन्हें 6 हजार की जगह 9 हजार रुपए मिलेंगे। यानी सरकार ने 50% मानदेय बढ़ाया है। प्रदेश में 57 हजार पंचायत सहायक हैं। पंचायती राज मंत्री राजभर ने बुधवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मानदेय बढ़ाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा- सीएम योगी से बातचीत के बाद यह निर्णय लिया गया। मंत्री राजभर ने कहा-अब किसी पंचायत सहायक को ग्राम प्रधान या पंचायत सचिव अपनी मर्जी से पद से नहीं हटा सकेंगे। पंचायत सहायक को हटाने से पहले डीएम के नेतृत्व में गठित कमेटी जांच करेगी। जांच के बाद ही सेवा समाप्त करने का फैसला लिया जा सकेगा। राजभर ने कहा, 'पंचायत सहायकों को इलाज के लिए कैशलेस सुविधा का लाभ मिलेगा। महिला पंचायत सहायकों को मातृत्व अवकाश भी मिलेगा। अब मानदेय की राशि सीधे पंचायत सहायक के बैंक खाते में भेजी जाएगी।' पहले मानदेय ग्राम प्रधान के खाते में आता था। सचिव और ग्राम प्रधान के सिग्नेचर के बाद पैसे निकाले जाते थे। राजभर ने कहा-धरना-प्रदर्शन के दौरान पंचायत सहायकों के खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएंगे। इस दौरान कार्रवाई कर जिन पंचायत सहायकों को हटाया गया है, उन्हें दोबारा बहाल किया जाएगा। मंत्री राजभर ने कहा- ऐसा है ना कि 'न नौ मन गेहूं होई, न राधा यौवने जईहे'। ओवैसी जी कहते हैं कि हम मुख्यमंत्री बनेंगे तो वो मानेंगे, कोई मानेगा? कैसे गठबंधन होगा? कांग्रेस कहती है 200 सीट चाहिए। अखिलेश यादव कहते हैं कि हम 300 के नीचे लड़ेंगे ही नहीं। प्रयास सब लोग कर रहे हैं, लेकिन प्रयास निरर्थक है।

पंचायत सहायकों के प्रदर्शन पर बसपा प्रमुख मायावती ने कहा था- सरकार को उनकी मांगों पर विचार करना चाहिए। अपना दल (कमेरावादी) की पल्लवी पटेल और सांसद चंद्रशेखर भी धरना स्थल पर पहुंचे थे और पंचायत सहायकों को समर्थन दिया था। चंद्रशेखर ने कहा था- जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी, हमारे भाई किसी की मांग नहीं भरेंगे।

2 दिन पहले राजभर ने कहा था- दिमाग से निकाल दो, 20 से 25 हजार मिलेंगे

14 सितंबर को धरनारत पंचायत सहायकों ने मंत्री ओमप्रकाश राजभर से मुलाकात की थी। तब उन्होंने कहा था- बजट के प्रावधानों को देखते हुए 12 हजार या 15 हजार रुपए का मानदेय देना संभव नहीं है। यह दिमाग से निकाल लो कि आपको 20 से 25 हजार रुपए मिल जाएंगे। ऐसा कतई नहीं होगा।

उन्होंने कहा था- मैंने गांवों में देखा है कि लोग ऑनलाइन फॉर्म भरवाने के लिए जनसेवा केंद्र जाते हैं। यह काम आप लोगों का है। लोग बाहर इसलिए जाते होंगे, क्योंकि आप लोग काम नहीं करते होंगे। सिर्फ वेतन देने के लिए नियुक्ति नहीं दी गई है। सभी लोग काम करते तो इस पर विचार होता। लोग बैठे-बैठे मानदेय ले रहे हैं। अधिकतर लोग प्रधान या किसी पहुंच वाले के घर के लोग भर्ती हो गए हैं।

यूपी को नफरत-बुलडोजर का प्रतीक बनाया : आइसा अध्यक्ष

बाबा के खिलाफ कोई एक शब्द नहीं बोल सकता

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (AISA) का 'GenZ Rising' कार्यक्रम चल रहा है। कैसरबाग स्थित गांधी भवन में AISA की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा समेत कई छात्र नेता और सोशल एक्टिविस्ट मौजूद हैं। नेहा बोरा ने कहा- जिस उत्तर प्रदेश को संस्कृति, संघर्ष और एकता के लिए जाना जाता था, आज उसे नफरत और बुलडोजर का प्रतीक बना दिया गया है। आज पूरे देश में उत्तर प्रदेश की पहचान सिर्फ नफरत और बुलडोजर के लिए बन गई है। जंतर-मंतर फेम इरफान ने ओपी राजभर पर निशाना साधा। उन्होंने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओपी राजभर को "जुमलेबाज नेता" बताया। इसके बाद उन्होंने गाया- 100-100 के नोट चाहिए तो चमचागिरी करो, ख्वाहिश हो हजारों की तो दादागिरी करो। वोटों की राजनीति है, सौदागिरी करो,और लाखों में खेलना हो तो नेतागिरी करो! गांधी भवन के बाहर और अंदर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। कार्यक्रम में आने वाले लोगों की दो अलग-अलग जगहों पर चेकिंग की जा रही है। कार्यक्रम स्थल पर इंक वाले पेन और इंक लाने पर भी रोक है। जो लोग इंक वाले पेन लेकर पहुंच रहे हैं, उन्हें हॉल के बाहर ही रोककर पुलिस पेन जमा करा रही है। 'GenZ Rising' अभियान की शुरुआत 9 अगस्त को इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से हुई थी।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में आशा वर्कर्स ने डिप्टी सीएम का आवास घेरा

लखनऊ । लखनऊ में बुधवार को आशा वर्कर्स ने डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के आवास का घेराव किया। उत्तर प्रदेश के 75 जिलों से आईं आशा वर्कर्स ने उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन के बैनर तले प्रदर्शन किया। आशा वर्कर्स का कहना है कि वे अपनी 5 सूत्री मांगों को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रही हैं। इसके बावजूद उनकी मांगों पर सुनवाई नहीं हो रही है। उनकी प्रमुख मांग मानदेय बढ़ाने की है।

रोडवेज बस ड्राइवर को अज्ञात वाहन ने रौंदा, मौत

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के सरोजनीनगर में बुधवार सुबह सड़क पार कर रहे रोडवेज के संविदा बस चालक मोहम्मद नदीम (45) को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मोहम्मद नदीम मूलरूप से बाराबंकी के जैदपुर थाना क्षेत्र के बोजा गांव के रहने वाले थे। वह आशियाना के औरंगाबाद में पत्नी कैफी और दो बेटों के साथ रहते थे। नदीम उपनगरीय बस में संविदा चालक के तौर पर काम करते थे।

लखनऊ में सिपाही ने शादी का झांसा देकर रेप किया

बख्शी का तालाब। लखनऊ में डायल-112 में तैनात एक सिपाही ने महिला को शादी का झांसा देकर रेप किया। पीड़िता ने बताया कि गर्भवती होने के बाद सिपाही शादी से मुकर गया और उस पर गर्भपात कराने का दबाव बनाने लगा। महिला ने पुलिस अधिकारियों पर भी शिकायत के बावजूद कार्रवाई न करने और समझौते का दबाव बनाने का आरोप लगाया है।

योगी सरकार का भूजल बचाने पर फोकस

गंगा-यमुना दोआब में भूजल बढ़ाने की तैयारी, 1.65 करोड़ की परियोजना से होगा जलभृतों का पुनर्भरण

कानपुर से प्रयागराज के बीच मिली 200 किमी लंबी भूमिगत प्राचीन नदी

अब इसी रास्ते भूजल संरक्षण को मिलेगी नई दिशा, छह स्थानों पर शुरू होगा भूजल पुनर्भरण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार ने प्रदेश में भूजल संरक्षण और लंबे समय की जल सुरक्षा के लिए वैज्ञानिक तरीके से काम तेज कर दिया है। इसी कड़ी में गंगा-यमुना दोआब में 1.65 करोड़ रुपये की 'प्रबंधित जलभृत पुनर्भरण (एमएआर) परियोजना' शुरू की गई है। तीन साल की इस परियोजना के तहत बारिश के पानी को जमीन के अंदर मौजूद जलभृतों (भूमिगत जल भंडार) तक पहुंचाकर भूजल का पुनर्भरण किया जाएगा। परियोजना की सबसे अहम कड़ी कानपुर से प्रयागराज के बीच करीब 200 किलोमीटर लंबी भूमिगत प्राचीन नदी/पैलियोचैनल प्रणाली की पहचान हुई है। वैज्ञानिकों के मुताबिक ये पुराने नदी मार्ग आज भी जमीन के अंदर पानी के आने-जाने में मददगार हो सकते हैं। नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के विशेष सचिव एवं निदेशक, भूगर्भ जल विभाग डॉ. राजेश कुमार प्रजापति ने कहा कि वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनसीआरआई) हैदराबाद के वैज्ञानिकों ने आधुनिक तकनीक के जरिए गंगा-यमुना दोआब के नीचे मौजूद जलभृतों और प्राचीन नदी प्रणालियों का अध्ययन किया है। इसके लिए हवाई भू-भौतिकीय सर्वेक्षण और बोरहोल लॉगिंग जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया गया। इस अध्ययन में प्रयागराज से कानपुर के बीच करीब 200 किलोमीटर लंबी भूमिगत प्राचीन नदी यानि पैलियोचैनल प्रणाली की पहचान हुई है। आसान भाषा में कहें तो जमीन के नीचे पुराने नदी मार्गों के निशान मिले हैं, जो आज भी भूजल के प्रवाह में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

प्रवक्ता संवर्ग (पीजीटी) के 2,607 पदों के लिए भी विज्ञापन जारी

यूपी में 15,012 शिक्षक पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू

- सहायक अध्यापक और पीजीटी के विज्ञापन जारी
- माध्यमिक शिक्षा विभाग में 897 सहायक अध्यापक सम्बद्ध प्राइमरी तथा बेसिक शिक्षा विभाग में 11,508 सहायक अध्यापक शहरी के पदों पर भर्ती

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में युवाओं को शिक्षक भर्ती के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षक भर्ती से संबंधित दो महत्वपूर्ण विज्ञापन जारी किए गए हैं। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि इन विज्ञापनों के माध्यम से कुल 15,012 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की जा रही है। डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि आयोग द्वारा प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत सहायक अध्यापक सम्बद्ध प्राइमरी (अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों) के 897 रिक्त पदों तथा बेसिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत सहायक अध्यापक, शहरी (URBAN) के 11,508 रिक्त पदों का विज्ञापन जारी किया गया है। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए आयोग ने वन टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) व्यवस्था लागू की है। अभ्यर्थियों को OTR प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद ही संबंधित पदों के लिए आवेदन करना होगा।

विज्ञापन संख्या-05/2026 के अन्तर्गत सहायक अध्यापक सम्बद्ध प्राइमरी तथा सहायक अध्यापक, शहरी के पदों के लिए विज्ञापन 15 सितम्बर, 2026 को जारी किया गया है। ऑनलाइन पंजीकरण एवं आवेदन की प्रक्रिया 16 सितम्बर, 2026 से प्रारम्भ होगी।

प्रवक्ता संवर्ग के पदों के लिए परीक्षा 15 एवं 16 दिसम्बर को

आयोग अध्यक्ष ने बताया कि अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के प्रवक्ता संवर्ग (PGT) के 2,607 रिक्त पदों के लिए भी विज्ञापन संख्या-06/2026 जारी किया गया है। इस भर्ती के लिए विज्ञापन 15 सितम्बर, 2026 को प्रकाशित किया गया है तथा ऑनलाइन पंजीकरण एवं आवेदन प्रक्रिया 18 सितम्बर, 2026 से प्रारम्भ होगी। पीजीटी भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर, 2026 तथा ऑनलाइन आवेदन में संशोधन की अंतिम तिथि 21 अक्टूबर, 2026 निर्धारित की गई है। प्रवक्ता संवर्ग के पदों के लिए परीक्षा 15 एवं 16 दिसम्बर, 2026 को है।

ए.के. शर्मा की सख्ती के बाद जल निगम के अधिशासी अभियंता निलंबित

'जल निकासी व्यवस्था को लेकर अधिकारी अलर्ट मोड में रहें'

जलभराव की समस्या में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, संवेदनशील क्षेत्रों की पहले से पहचान कर तैयारियां पूरी रखें - नगर विकास मंत्री

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/ वाराणसी। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा की सख्ती के बाद वाराणसी में जल निकासी व्यवस्था में लापरवाही बरतने पर उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) के अधिशासी अभियंता श्री पवन कुमार गुप्ता को निलंबित किए जाने के बाद मंत्री ने प्रदेश के सभी नगरीय क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति को लेकर अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान जल निकासी व्यवस्था में किसी भी स्तर पर शिथिलता आमजन के लिए परेशानी का कारण बन सकती है, इसलिए अधिकारी पहले से तैयार रहें और संवेदनशील क्षेत्रों में तत्काल आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। ए.के. शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वाराणसी सहित प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में जल निकासी व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। प्रत्येक संवेदनशील क्षेत्र को चिन्हित कर वहां नालों, सीवर लाइनों और पम्पिंग स्टेशनों की स्थिति की पहले से समीक्षा की जाए। जहां कहीं भी जल निकासी की व्यवस्था में कमी दिखाई दे, वहां तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी समस्या उत्पन्न होने का इंतजार न करें, बल्कि संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों में पहले से आवश्यक तैयारियां पूरी रखें।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार नगरीय क्षेत्रों में नागरिकों को बेहतर, सुगम और सुरक्षित सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

जनहित से जुड़े कार्यों में लापरवाही के लिए कोई स्थान नहीं

ए.के. शर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में लापरवाही के लिए कोई स्थान नहीं है। शासन द्वारा अधिकारियों को पर्याप्त संसाधन और आवश्यक दिशा-निर्देश उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ऐसे में कार्यों के क्रियान्वयन में लापरवाही अथवा उच्चाधिकारियों के निर्देशों की अनदेखी किसी भी दशा में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी लापरवाही सामने आती है तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय करते हुए आगे भी इसी प्रकार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बीकेटी में ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार को रौंदा

बख्शी का तालाब। लखनऊ के बख्शी का तालाब (बीकेटी) इलाके में बुधवार तड़के सड़क हादसे में 24 साल के युवक की मौत हो गई। हादसा चंद्रिका देवी रोड पर आशीर्वाद पेट्रोल पंप के पास हुआ। युवक बाइक से ड्यूटी पर जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, कठवारा निवासी दिलीप सिंह (24) लखनऊ की एक वाई-फाई कंपनी में हेल्पर था। बुधवार सुबह करीब 5:30 बजे वह बाइक से ड्यूटी के लिए निकला था। घर से कुछ दूर चंद्रिका देवी रोड पर आशीर्वाद पेट्रोल पंप के पास आगे चल रही ट्रैक्टर-ट्रॉली के ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिए। अचानक ब्रेक लगने से पीछे से आ रही दिलीप की बाइक ट्रॉली में लदी बल्ली से जा टकराई। बल्ली की चपेट में आने से उसके सीने में गंभीर चोट आई। इसके बाद बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई और दिलीप गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने परिजनों को सूचना दी।

आशा कार्यकर्त्रियों ने ब्रजेश पाठक के आवास के बाहर किया प्रदर्शन

75 जिलों से राजधानी पहुंची आशा कार्यकर्त्रियां

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में बुधवार को आशा कार्यकर्त्रियों ने उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक के आवास का घेराव कर प्रदर्शन किया। 75 जिलों से आईं आशा कार्यकर्त्रियों ने उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन के बैनर तले प्रदर्शन किया। वे अपनी 5 सूत्रीय मांगों को लेकर लंबे समय से मानदेय बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। आशा वर्कर्स ने प्रतिमाह 25 हजार रुपए वेतन देने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि प्रदेश में करीब 1,57,596 आशा कार्यकर्त्रियां तैनात हैं। जो कि समुदाय में स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का काम करती हैं।

आशा कार्यकर्त्री गर्भवती महिलाओं की देखभाल, प्रसव के बाद की देखभाल और बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़े कार्य करती हैं। वे टीकाकरण, नसबंदी और परिवार नियोजन के प्रति लोगों को जागरूक करती हैं। इसके अलावा, एनएचएम के तहत चलने वाली विभिन्न योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में भी उनकी अहम भूमिका होती है। आशा कार्यकर्त्रियों ने जताई नाराजगीः प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाते हुए कहा, यह कहती कुछ और है करती कुछ और है। महिलाओं के सम्मान की बात करती है दूसरी तरफ महिलाओं का शोषण हो रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कहा 300 रुपए अनपढ़ों को मजदूरी मिलती है और सरकार हमें सिर्फ 100 रुपए दे रही है।

लक्ष्य : योगी सरकार की सेवा, सुशासन और जनकल्याण की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएगा 'सेवा संकल्प अभियान'

12 प्रमुख कार्यक्रमों से गांव से शहर तक पहुंचेगा सेवा का संदेश

- 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा राज्यव्यापी अभियान, 4.19 करोड़ परिवार और 15.74 करोड़ लाभार्थी जुड़ेंगे

तमसा संकेत, संवाददाता

25 लाख लाभार्थियों की सफलता की कहानियां होंगी डिजिटल

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सेवा, सुशासन, जनकल्याण और विकास की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलेगा। एक माह के अभियान के जरिए योगी सरकार की योजनाओं से लाभान्वित नागरिकों की सफलता की कहानियां सामने लाने के साथ प्रदेशवासियों को 'विकसित भारत-2047' के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ा जाएगा। अभियान के प्रभारी एवं उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के मार्गदर्शन में शासन से जनपद स्तर तक त्रिस्तरीय समन्वय व्यवस्था बनाई गई है। अभियान में केंद्र सरकार के 12 वर्षों और राज्य सरकार के 10 वर्षों के विकास कार्यों से आए बदलावों को प्रस्तुत करने पर जोर रहेगा। केंद्र एवं राज्य की योजनाओं से जुड़े लाभार्थियों का त्रिस्तरीय डेटा बैंक तैयार होगा। कुल 4.19 करोड़ परिवारों और 15.74 करोड़ लाभार्थियों को जोड़ने का लक्ष्य है। इसमें ग्रामीण क्षेत्र के 3.51 करोड़ परिवार व 13.01 करोड़ लाभार्थी तथा शहरी क्षेत्र के 0.68 करोड़ परिवार व 2.73 करोड़ लाभार्थी शामिल हैं। अभियान में 'आशीर्वाद का दीया', 'मेरे सपनों का भारतः चित्र सेवा', 'नमो सेवा-अनकही कहानियां', 'आंगन मिलन सेवा', 'सेवा की कहानी', 'सेवा ज्योति कलश यात्रा', 'वडनगर से वाराणसी यात्रा', 'सेवा मेरा योगदान', 'सेवा सेतु अभियान', 'सेवा के रंग, राष्ट्र के संग', 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज' और 'सुशासन सेवा संवाद' आयोजित होंगे।

नुक्कड़ नाटक और डिजिटल कहानियों से जनजागरण

'नमो सेवा-अनकही कहानियां' के तहत प्रत्येक जनपद में 18 से 20 कलाकारों की सांस्कृतिक टोलियां गठित होंगी। प्रत्येक विधानसभा में सात कार्यक्रम होंगे। ग्राम पंचायतों, सामुदायिक केंद्रों, विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर 25 से 30 मिनट की प्रस्तुति के जरिए जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास की कहानी पहुंचाई जाएगी। 'सेवा की कहानी' डिजिटल एवं रील अभियान में 25 लाख लाभार्थियों के जीवन में आए बदलाव पर 60 सेकंड की रील्स तैयार होंगी। आवास, विद्यालय, पंचायत भवन, पुस्तकालय, एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, इनलैंड पोर्ट, मेट्रो, आरआरटीएस और विश्वविद्यालयों से जुड़ी विकास कहानियां प्रदर्शित की जाएंगी। 25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक 'आंगन मिलन सेवा' में प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र पर तीन दिवसीय उत्सव एवं संवाद होगा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, आशा दीदियों और उत्कृष्ट लाभार्थी माताओं का सम्मान किया जाएगा। पोषण, स्वास्थ्य एवं महिला योजनाओं की जानकारी के साथ हेल्दी बेबी शो, बच्चों को कॉमिक बुक्स, खिलौने, फल-मिठाई, अतिरिक्त पोषाहार एवं सामग्री वितरण होगा।

29 करोड़ से अधिक की धनराशि की स्वीकृति

दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के अन्तर्गत धनराशि की गयी प्रदान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम मे वित्तीय वर्ष 2026-27 में दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजनान्तर्गत एस०एन०ए० स्पर्श माडयूल के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा स्वीकृत मदर सैक्शन के सापेक्ष अनुदान सं0-13 की धनराशि द्वारा अनुदान सं0-13 (सामान्य मद) मानक मद-27 सब्सिडी के अंतर्गत जारी केन्द्रांश Mother Sanction की धनराशि रु० 1770.25 लाख के सापेक्ष राज्यांश की धनराशि रु० 1180.17 लाख अर्थात कुल धनराशि रु० 2950.42 लाख (रु० उन्तीस करोड पचास लाख बयालिस हजार मात्र) की धनराशि अवमुक्त कर आयुक्त, ग्राम्य विकास के निवर्तन पर रखे जाने एवं व्यय किये जाने की स्वीकृति उत्तर प्रदेश शासन ग्राम्य विकास विभाग द्वारा प्रदान की गयी है। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश उत्तर प्रदेश शासन ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है।

उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि धनराशि का कोषागार से आहरण एकमुश्त न करते हुए आवश्यकतानुसार चरणों में किया जाये धनराशि का आहरण एवं व्यय योजना विषयक गाइड लाइन/दिशा निर्देश तथा इस संबंध में समय-समय पर निर्गत दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जाए। जारी शासनादेश में निर्देश दिए गए हैं कि आकड़ों की शुद्धता एवं धनराशि की अनुमन्यता की पुष्टि का दायित्व आयुक्त, ग्राम्य विकास/मिशन निदेशक, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का होगा।स्वीकृत की गयी धनराशि के विरुद्ध निर्धारित लक्ष्यों के प्राप्त होने व उसके परीक्षण/सत्यापन सुनिश्चित किये जाने का दायित्व आयुक्त, ग्राम्य विकास / मिशन निदेशक, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का होगा। स्वीकृत धनराशि के नियम संगत व्यय व स्वीकृत धनराशियों के निर्धारित प्रारूप पर उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने का दायित्व आयुक्त, ग्राम्य विकास/मिशन निदेशक, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का होगा।

बीच-बचाव करने पहुंची महिला को लगी लाठी, सिर में लगी गंभीर चोट

दो भाइयों के विवाद में मां की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बड्डूपुर थाना क्षेत्र के हक्काबाद गांव में बुधवार दोपहर दो भाइयों के बीच हुआ विवाद उनकी मां की मौत का कारण बन गया। किसी बात को लेकर दोनों भाइयों के बीच पहले कहासुनी हुई और देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया।

दोनों के बीच लाठियां चलने लगीं। बेटों को आपस में लड़ता देखकर मां लज्जावती (65) उन्हें रोकने और विवाद शांत कराने के लिए पहुंचीं। इसी दौरान मारपीट के बीच उन्हें लाठी लग गई।

गंभीर चोट लगने से उनकी हालत बिगड़ गई। परिजन उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। दोनों बेटों के बीच मारपीट होते देख

कहासुनी के बाद दोनों भाइयों में शुरू हुई मारपीट

हक्काबाद गांव में बुधवार दोपहर करीब तीन बजे किसी बात को लेकर दो भाइयों के बीच विवाद शुरू हुआ। शुरुआत में दोनों के बीच कहासुनी हुई।

परिजनों और आसपास के लोगों के अनुसार, कुछ ही देर में मामला बढ़ गया और दोनों भाई एक-दूसरे से मारपीट करने लगे।

विवाद के दौरान लाठियां भी चलने लगीं।

उनकी मां लज्जावती खुद उन्हें रोकने के लिए पहुंचीं। वह दोनों को समझाकर विवाद खत्म कराने का प्रयास कर रही थीं। इसी दौरान मारपीट के बीच एक लाठी उन्हें लग गई।

चोट लगते ही वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ीं। इसके बाद मौके पर मौजूद परिजन उन्हें संभालने में जुट गए। लज्जावती को घायल अवस्था में देखकर परिवार के लोग तत्काल उन्हें लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर पहुंचे। परिजनों को उम्मीद थी कि समय रहते उपचार मिलने पर उनकी जान बचाई जा सकेगी।

हालांकि अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने महिला की जांच की, लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी। सीएचसी फतेहपुर के अधीक्षक डॉ. आरपी वर्मा ने बताया कि महिला को परिजन अस्पताल लेकर आए थे। चिकित्सकीय जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। महिला की मौत की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

पुलिस ने घटना से जुड़े लोगों से जानकारी लेना शुरू कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, मामले में सामने आने वाले तथ्यों और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल गांव में घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं और परिवार में मातम का माहौल है।

घटना की सूचना मिलने के बाद बड्डूपुर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी मनोज सोनकर ने बताया कि दो भाइयों के बीच हुए विवाद के दौरान उनकी मां की मौत हुई है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटा रही है। विवाद किस बात को लेकर शुरू हुआ था और मारपीट के दौरान महिला को किस परिस्थिति में लाठी लगी, इसकी भी जांच की जा रही है।

बरेली कॉलेज में विश्व ओजोन दिवस पर हुआ सेमिनार

विद्यार्थियों ने पोस्टर और स्लाइड प्रस्तुतियों के जरिए ओजोन परत के संरक्षण का दिया संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। बरेली कॉलेज के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में विश्व ओजोन दिवस के उपलक्ष्य में 'कैरी ऑन बायोटेक' संगठन के तत्वावधान में सेमिनार एवं यूजी-पीजी फोरम का अधिष्ठापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम में करीब 200 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया और ओजोन परत के संरक्षण से जुड़े वैज्ञानिक तथ्यों एवं इसके महत्व पर अपनी प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रेजेंटेशन और स्लाइड प्रेजेंटेशन के माध्यम से ओजोन परत से संबंधित विभिन्न वैज्ञानिक पहलुओं को प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने ओजोन परत के महत्व, इसके संरक्षण की

आवश्यकता तथा पर्यावरण पर इसके प्रभाव से जुड़े तथ्य सामने रखे। प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने ओजोन परत को सुरक्षित रखने के लिए लोगों को जागरूक करने का संदेश भी दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण में आम लोगों की भूमिका पर भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक जानकारी को सरल तरीके से प्रस्तुत करते हुए ओजोन संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रोफेसर आलोक खरे ने ओजोन परत के संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने दायित्व और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल संस्थानों या सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से वैज्ञानिक जानकारी को समाज तक पहुंचाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। पोस्टर एवं अन्य प्रस्तुतियों के मूल्यांकन के लिए निर्णायक मंडल का गठन किया गया था। निर्णायकों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन विषय की समझ, वैज्ञानिक तथ्यों और प्रस्तुतीकरण के आधार पर किया।

फास्ट न्यूज

यूपीएमएसआरए हरदोई यूनिट में सोमेश मिश्रा निर्विरोध अध्यक्ष बने

हरदोई। हरदोई में दवा कंपनियों के कर्मचारियों के संगठन UPMSRA की वार्षिक आम सभा हुई। यह बैठक बुधवार, 16 सितंबर 2026 को दोपहर 2 बजे रखी गई थी। इसमें प्रांतीय कार्यकारिणी के विशेष आमंत्रित सदस्य असित मिश्र और मुरारी दीक्षित भी शामिल हुए। सभा में सोमेश मिश्रा को सर्वसम्मति से फिर निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। अमन दुबे को सचिव की जिम्मेदारी दी गई।

चंद्रशेखर आजाद पर हमले के विरोध में प्रदर्शन

रायबरेली। रायबरेली में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ता शहर की अंबेडकर प्रतिमा पर जमा हुए और कलेक्ट्रेट परिसर तक नारेबाजी करते हुए विरोध में दोपहर 2:00 बजे दिन बुधवार को मार्च निकाला। इसके बाद उन्होंने कलेक्ट्रेट पहुंचकर सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा और राष्ट्रीय अध्यक्ष की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की। जानकारी के अनुसार, यह घटना 13 सितंबर 2026 को हुई थी।

रायबरेली में कार और डंपर की टक्कर

रायबरेली। रायबरेली के गुरबख्शगंज थाना क्षेत्र में बुधवार समय 11.30 सुबह एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डंपर में जा घुसी। इस हादसे में कार सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि साथ में बैठी महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

सिंह (50) पत्नी कुंवर बहादुर सिंह क्विड कार (UP 33 BR 6879) से लालगंज से बछरावां की ओर जा रहे थे।

आजाद समाज पार्टी ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

गोंडा, अयोध्या और बाराबंकी की घटनाओं समेत चार सूत्रीय मांगों को लेकर नारेबाजी की

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और भीम आर्मी ने बुधवार दोपहर को डीएम को राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। इसमें गोंडा, अयोध्या और बाराबंकी की घटनाओं समेत कई मुद्दों पर चार सूत्रीय मांगें रखी गईं। पार्टी ने संबंधित मामलों की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कार्रवाई, पंचायत सहायकों की मांगों का समाधान, 68500 शिक्षक भर्ती में आरक्षण से जुड़े मामले का निपटारा और धार्मिक स्थलों से जुड़े मामलों की कानून के हिसाब से समीक्षा की मांग की है। जिलाध्यक्ष यतीन्द्र चौधरी ने ज्ञापन में बताया कि गोंडा में विनोद साहनी और रमेश कोरी, साथ ही अयोध्या में राम लगन मौर्या की हत्या हुई थी। इन पीड़ित परिवारों से मिलने

जा रहे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद के काफिले को 13 सितंबर को बाराबंकी के रामनगर थाना क्षेत्र के बुढ़वल में रोका गया था। इस दौरान काफिले पर पथराव और हमला भी हुआ। पार्टी ने इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है। ज्ञापन में घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज और इलेक्ट्रॉनिक सबूतों को सुरक्षित रखने की मांग की गई है। इसके अलावा, मौके पर तैनात पुलिस अधिकारियों की भूमिका की भी जांच करने को कहा गया। पार्टी ने चंद्रशेखर आजाद की सुरक्षा को लेकर तुरंत खतरे का आकलन (थ्रेट असेसमेंट) कराने और जरूरत के हिसाब से सुरक्षा बढ़ाने की भी मांग की है। दूसरी मांग में लखनऊ के ईको गार्डन में धरना दे रहे पंचायत सहायकों की समस्याओं को जल्द हल करने की बात कही गई है। उनकी मांगों पर सकारात्मक फैसला लेने की अपील भी की गई। तीसरी मांग 68500 शिक्षक भर्ती में आरक्षण से जुड़े मामले को लेकर है। इसमें पिछड़ा वर्ग आयोग के आदेश का पालन कराने और प्रभावित उम्मीदवारों को नियम के अनुसार न्याय दिलाने की मांग की गई है।

उन्नाव में पेंडिंग मामलों पर डीएम सख्त

शिकायत लिपिक को फटकार, लापरवाही पर कार्रवाई के निर्देश

- पेंडिंग मामलों की समीक्षा बैठक, डीएम ने लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी।
- उन्नाव में आयोग-न्यायालय के मामलों की समीक्षा, डीएम ने शिकायत लिपिक को लगाई फटकार।

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में बुधवार दोपहर को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में आयोगों और अन्य स्तर से मिले मामलों, साथ ही न्यायालय में पेंडिंग मामलों को निपटाने के लिए बैठक हुई। डीएम ने विभागवार अटके मामलों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों से अब तक की गई कार्रवाई और निपटारे की स्थिति

की एक-एक करके जानकारी ली। समीक्षा के दौरान आयोग से जुड़े मामलों को निपटाने में लापरवाही सामने आने के बाद जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट के शिकायत लिपिक पर नाराजगी जताई और कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड को संबंधित के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। डीएम ने सभी डेस्क सहायकों को चेतावनी देते हुए कहा कि शासन, आयोग या न्यायालय से जुड़े किसी मामले में जिला स्तर पर गंभीर कार्रवाई की नौबत आई तो संबंधित की जिम्मेदारी तय की जाएगी। लापरवाही मिलने पर सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पेंडिंग मामलों को सिर्फ औपचारिकता न समझें, बल्कि खुद रुचि लेकर समय पर उनका निपटारा पक्का करें। उन्होंने कहा कि शासन, आयोग और न्यायालय से मिला कोई भी मामला बेवजह अटके नहीं रहना चाहिए। सभी मामलों में समय से जवाब और निपटारे की रिपोर्ट दी जाए, साथ ही पूरे मामलों को निपटाया जाए। डीएम ने जवाब की गुणवत्ता पर भी खास ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि सिर्फ जवाब देना काफी नहीं है, बल्कि उसमें तथ्यों और की गई कार्रवाई की साफ और अच्छी जानकारी होनी चाहिए। तहसील स्तर से आने वाली रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि यदि किसी मामले में लेखपाल की ओर से गलत रिपोर्ट दी जाती है तो संबंधित उपजिलाधिकारी तुरंत सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि आयोग और न्यायालय से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड, अतिरिक्त उपजिलाधिकारी कहकशां अंजुम, सदर, बांगरमऊ, सफीपुर और हसनगंज के उपजिलाधिकारी समेत संबंधित अधिकारी और डेस्क सहायक मौजूद थे।

उन्नाव में कच्चा मकान भरभराकर गिरा

मलबे में दबकर बुजुर्ग महिला की मौत, खाना खाते समय हुआ हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। अचलगंज थाना क्षेत्र के बंड हमीरपुर गांव में बुधवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक पुराना कच्चा मकान अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे के समय मकान के एक हिस्से में मौजूद 65 वर्षीय माधुरी देवी मलबे में दब गईं। मकान गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और मलबा हटाकर महिला को बाहर निकाला। गंभीर हालत में उन्हें एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। माधुरी देवी के पति हरीराम श्रीवास्तव का करीब 10 वर्ष पहले निधन हो गया था। इसके बाद वह अपने तीन बेटों रजनीश, गिरीश और अंकित के साथ रह रही थीं। ग्रामीणों के अनुसार मकान के एक हिस्से में माधुरी देवी रहती थीं, जबकि दूसरे

हिस्से में उनके बेटे रहते थे। परिवार की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं बताई जा रही है। माधुरी देवी के नाम अंत्योदय कार्ड था। उनके पास करीब एक से डेढ़ बीघा पैतृक जमीन भी थी। ग्रामीणों के मुताबिक परिवार लंबे समय से पुराने कच्चे मकान में रह रहा था। ग्राम प्रधान संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि माधुरी देवी का नाम आवास की पात्रता सूची में शामिल था। उन्होंने बताया कि मकान काफी पुराना और कच्चा था। इसी वजह से बुधवार को अचानक मकान ढह गया और महिला उसकी चपेट में आ गई। हादसे के बाद ग्रामीणों ने परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए प्रशासन से मदद की मांग की है। घटना के बाद परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक का माहौल बना हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही बेथर चौकी प्रभारी जय प्रकाश पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और हादसे से संबंधित जानकारी जुटाई। पुलिस की ओर से मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। हादसे के बाद गांव में पुराने और जर्जर कच्चे मकानों को लेकर भी चिंता सामने आई है।

खाना खाते समय अचानक भरभराकर गिरा मकान

जानकारी के मुताबिक बुधवार दोपहर करीब दो बजे माधुरी देवी घर में खाना खा रही थीं। इसी दौरान पुराना कच्चा मकान अचानक भरभराकर नीचे आ गिरा। मकान का मलबा सीधे उनके ऊपर गिर गया, जिससे वह उसमें दब गईं। अचानक हुए हादसे से गांव में अफरा-तफरी मच गई। मकान गिरने की आवाज सुनते ही आसपास रहने वाले ग्रामीण मौके पर पहुंचे। परिजन और ग्रामीणों ने तत्काल मलबा हटाने का काम शुरू किया। काफी प्रयास के बाद माधुरी देवी को मलबे से बाहर निकाला गया। उनकी हालत उस समय गंभीर बताई जा रही थी। परिजन उन्हें एंबुलेंस से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

ग्रामीणों ने मलबा हटाकर वृद्धा को बाहर निकाला

हादसे के बाद ग्रामीणों और परिजनों ने बिना देर किए मलबा हटाना शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद माधुरी देवी को बाहर निकाला गया। उस समय उनकी हालत गंभीर थी। परिजनों को उनके बचने की उम्मीद थी, इसलिए उन्हें तुरंत एंबुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सई नदी में डूबे भाई-बहन के शव मिले

नहाने गए थे दोनों, एक किलोमीटर दूर मिली लड़के की बॉडी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में मंगलवार शाम सई नदी में नहाने गए दो सगे भाई-बहन गहरे पानी में डूब गए। पुलिस, स्थानीय गोताखोरों और एसडीआरएफ की टीम ने बुधवार को दोनों के शव बरामद किए। बहन का शव सुबह 10 बजे और भाई का शव दोपहर करीब 2:15 बजे मिला। मामला कासिमपुर थाना क्षेत्र के कंजौरा गांव का है। कंजौरा गांव निवासी मकबूल के 12 वर्षीय बेटी इकरा और 10 वर्षीय बेटे मोहम्मद फजल मंगलवार शाम करीब 4 बजे गांव के पास सई नदी में नहाने गए थे। नहाते समय दोनों गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। साथ मौजूद बच्चों ने परिवार और ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। लेकिन अंधेरा होने के कारण मंगलवार शाम तक दोनों का पता नहीं चल सका। बुधवार सुबह राहत और बचाव

अभियान दोबारा शुरू किया गया। करीब 10 बजे इकरा का शव सई नदी के पुल से करीब 200 मीटर दूर बरामद हुआ। इसके बाद एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों ने फजल की तलाश जारी रखी।

जांच : उन्नाव में 3,844 बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और वीवीपैट की होगी जांच

ईवीएम की 17 सितंबर से जांच, डीएम ने किया निरीक्षण

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में 17 सितंबर से ईवीएम की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) शुरू होगी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार करीब 20 से 22 दिन चलने वाली इस प्रक्रिया में मशीनों के संचालन के साथ उनके अंदर के पार्ट्स और पीसीबी की भी जांच की जाएगी। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मशीनों के अंदर की स्थिति दिखाई जाएगी। बुधवार दोपहर करीब 3 बजे डीएम घनश्याम मीणा ने एफएलसी स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। डीएम ने बताया कि जिले के 2,651 मतदान केंद्रों के लिए 145 प्रतिशत मानक के आधार पर 3,844 बैलेट यूनिट, 3,844 कंट्रोल यूनिट और 3,844 वीवीपैट की जांच की जाएगी। इसके लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड

(बीईएल) के 12 अधिकृत तकनीकी इंजीनियर तैनात होंगे। वहीं जांच के दौरान मशीनों के कैबिनेट खोले जाएंगे और उनके अंदर लगे पार्ट्स व पीसीबी की स्थिति राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को दिखाई जाएगी। प्रक्रिया पूरी होने के बाद बीईएल के इंजीनियर निर्धारित प्रारूप में प्रमाण पत्र भी देंगे। एफएलसी के शुरुआती चरण में सभी 16 कैंडिडेट बटन पर छह-छह वोट डालकर जांच की जाएगी। इसके बाद कंट्रोल यूनिट के डिस्प्ले पर दिखने वाले नतीजों और वीवीपैट से निकलने वाली पर्चियों का मिलान किया जाएगा। इससे मॉक पोल में डाले गए वोट और मशीन में दर्ज नतीजों की पुष्टि की जा सकेगी। इसके बाद राजनीतिक दलों द्वारा चुनी गई पांच प्रतिशत मशीनों पर विस्तृत मॉक पोल कराया जाएगा। इसमें एक प्रतिशत मशीनों पर 1,200 वोट, दो प्रतिशत मशीनों पर 1,000-1,000 वोट और शेष दो प्रतिशत मशीनों पर 500-500 वोट डाले जाएंगे। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि स्वयं वोट डालकर नतीजों की पुष्टि कर सकेंगे। मॉक पोल के बाद वीवीपैट से निकली पर्चियां प्रतिनिधियों की मौजूदगी में उसी दिन पेपर श्रेडर मशीन से नष्ट की जाएंगी। एफएलसी हॉल और भंडारण कक्ष में निगरानी के लिए 24 घंटे सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। भारत निर्वाचन आयोग और मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के लिए लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था भी रहेगी। सुरक्षा और

प्रक्रिया की गोपनीयता के मद्देनजर एफएलसी हॉल में मोबाइल फोन, कैमरा, पेन ड्राइव, स्मार्टवॉच समेत किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को ले जाने की अनुमति नहीं होगी। राजनीतिक दलों के अधिकृत प्रतिनिधियों को प्रक्रिया देखने के लिए नियमित रूप से उपस्थित रहने को कहा गया है। उनके आने-जाने का समय उपस्थिति रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा। एफएलसी परिसर में प्रवेश जिला प्रशासन द्वारा जारी अधिकृत फोटो पहचान पत्र और प्रवेश पास के आधार पर ही मिलेगा।

खेल सामग्री का पैसा प्रधान शिक्षिका के खाते में पहुंचा

उन्नाव में बीएसए के निरीक्षण में नहीं मिला सामान, बोले कार्यवाही करेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (BSA) शैलेश कुमार पाण्डेय ने बुधवार सुबह नवाबगंज ब्लॉक के कई स्कूलों का अचानक निरीक्षण किया। इस दौरान कंपोजिट विद्यालय पिडहरी में वित्तीय गड़बड़ी का मामला सामने आया। बुधवार शाम चार बजे बीएसए ने मामले कि जानकारी दी। निरीक्षण में पता चला कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के खेल मद की रकम प्रधान शिक्षिका महिमा द्विवेदी के निजी खाते में ली गई थी। BSA ने जब इस रकम के खर्च से जुड़े कागजात और खरीदी गई खेल सामग्री मांगी, तो प्रधान शिक्षिका कुछ भी नहीं दिखा पाईं। BSA शैलेश पांडे ने बताया कि उन्होंने

नवाबगंज ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय दुन्दपुर, प्राथमिक विद्यालय खजूर, कंपोजिट विद्यालय परसंदन और प्राथमिक विद्यालय सलेमपुर का भी औचक निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूलों में पढ़ाई, छात्रों की उपस्थिति और मूलभूत सुविधाओं की स्थिति देखी। साथ ही निपुण भारत मिशन के तहत बच्चों की शैक्षिक दक्षता का भी आकलन किया। मामला सामने आने के बाद अब रकम के इस्तेमाल और दस्तावेजों की स्थिति पर सवाल खड़े हो गए हैं। BSA ने कहा है कि इस मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, रकम कितनी थी और उस पर अंतिम रूप से क्या कार्रवाई होगी, यह जांच के बाद ही साफ होगा। शिक्षक एक-दूसरे को फोन कर बीएसए के अगले निरीक्षण स्थल की जानकारी लेते रहे। वहीं एक विद्यालय परिसर में ग्रामीण द्वारा अतिक्रमण किए जाने का मामला भी सामने आया। ग्रामीण ने परिसर में अपनी भैंसें बांध रखी थीं। बीएसए के निर्देश पर ग्रामीण ने भैंसों को खोलकर विद्यालय की जमीन को कब्जामुक्त किया।

सम्पादकीय

आगे बढ़ी अटकी परियोजना

यह स्वागतयोग्य है कि लंबी प्रतीक्षा के बाद केंद्र सरकार की पहल पर छह राज्य महत्वाकांक्षी किशाऊ बांध परियोजना पर सहमत हुए। गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों ने इस परियोजना से जुड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस परियोजना को लेकर हिमाचल की सहमति इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह विपक्ष शासित राज्य है। उसकी सहमति इसलिए उल्लेखनीय है, क्योंकि पिछले कुछ समय से कांग्रेस हर मामले में विरोध के लिए विरोध की राजनीति का परिचय देती चली आ रही है। उसके नेतृत्व वाली हिमाचल सरकार की सहमति यह बताती है कि लोक कल्याण के विषयों पर दलगत राजनीतिक हितों से ऊपर उठने की आवश्यकता होती है।

यह अच्छा हुआ कि हिमाचल सरकार ने इस परियोजना के लिए सहमति दी। अभी तक वित्तीय अंशदान के अतिरिक्त इस परियोजना पर सहमति न बन पाने का एक कारण दलगत राजनीति भी रहा। यह जहां संतोषजनक है कि आखिरकार इस परियोजना का रास्ता साफ हो गया, वहीं इसकी अनदेखी भी न की जाए कि इसका प्रस्ताव स्वतंत्रता के पहले किया गया था। किसी परियोजना का आठ दशक से अधिक की देरी से शुरू हो पाना यही बताता है कि भारतीय लोकतंत्र में किस तरह कुछ आवश्यक काम भी अटक जाते हैं। ऐसा लोकतंत्र की अति के चलते होता है। इस अति के चलते ही आम तौर पर हर योजना-परियोजना का विरोध होता है और इसके चलते विकास के अनेक कार्यक्रम देर से शुरू हो पाते हैं।

आम तौर पर पहले राजनीतिक दल किसी परियोजना के विरोध में उतरते हैं, फिर सामाजिक या पर्यावरण समूह। इसके साथ ही उन्हें अदालतों में भी चुनौती दी जाती है। ऐसी परियो-जनाओं की गिनती करना कठिन है, जिनके अमल में दशकों की देरी हुई। कुछ तो कभी आगे बढ़ ही नहीं सकीं। जो आगे बढ़ीं, उनकी लागत बढ़ी। किशाऊ बांध परियोजना पर हुआ समझौता उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से में पेयजल और सिंचाई के संकट को दूर करने में सहायक बनेगा। इससे स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन भी सुनिश्चित हो सकेगा।

यह उत्तराखंड के देहरादून और हिमाचल के सिरमौर जिले की सीमा पर टोंस नदी पर निर्मित की जाने वाली एक राष्ट्रीय महत्व की परियोजना है। चूंकि टोंस यमुना की प्रमुख सहायक नदी है, इसलिए उसमें प्रवाह बनाए रखना आसान होगा और उसे साफ करने में भी मदद मिल सकती है। किशाऊ बांध परियोजना पर छह राज्यों के बीच हुआ समझौता यह बता रहा है कि केंद्र सरकार किस तरह विभिन्न राज्यों के बीच समझौते कराने को लेकर सक्रिय है। पिछले कुछ समय में केंद्र सरकार की सक्रियता के चलते कई राज्यों में नदी जल बंटवारे संबंधी समझौते हुए हैं। यह सिलसिला कायम रहना चाहिए।

क्षमापना महापर्व

एक शब्द हैं, जिस पर आज लोगों का ध्यान आकृष्ट होना चाहिए । वह शब्द है मैत्री । इस एक शब्द में विश्व की अनेक समस्याओं का समाधान भी हैं । इसी का विपरीत शब्द है शत्रुता । इस शब्द में विश्व की अनेक समस्याओं का उत्स है । वैर और मैत्री - ये दो ऐसे शब्द हैं , जिसमें समस्या भी हैं और समाधान भी समाहित हैं । दुनिया में शक्ति के अनेक रूप हैं । प्रश्न किया गया कि सबसे बड़ी शक्ति क्या हैं ? महामात्य चाणक्य ने उत्तर दिया - सबसे बड़ी शक्ति हैं मित्रता । इस संदर्भ में महावीर वाणी को देखें तो उत्तर मिलता हैं- सबके साथ मेरी मैत्री हैं , वैर किसी के साथ नहीं हैं । यह बहुत अनुभव की वाणी हैं । बहुत कठिन काम है सबके साथ मैत्री करना । जहां स्वार्थ नहीं है , वहां मैत्री हो सकती हैं , किंतु जहां स्वार्थ हैं, वहां मैत्री नहीं हो सकती । होती भी हैं तो टूट जाती हैं । एक चक्के से रथ नहीं चलता- उसके लिए कम से कम दो चक्के चाहिए । अकेला व्यक्ति ठीक हैं, किंतु पर्याप्त नहीं हैं । उसके लिए सहायक चाहिए । मैत्री के भी दो रूप होते हैं - 1 व्यावहारिक मैत्री 2 आध्यात्मिक मैत्री । व्यावहारिक मैत्री दान- प्रतिदान और विनिमय के आधार पर चलती हैं । तुम अच्छा संबंध रखोगे तो मैं भी अच्छा संबंध रखूँगा । तुम यदि अच्छा संबंध नहीं रखोगे तो मुझसे भी ऐसी अपेक्षा मत करना । यह है व्यावहारिक मैत्री, जो विनिमय के आधार पर चलती हैं । इसमें कोई पारमार्थिक और आध्यात्मिक भाव नहीं हैं । आध्यात्मिक चेतना की जागृति के बिना वास्तविक मैत्री संभव नहीं हैं । आध्यात्मिक मैत्री में विनिमय नहीं होता , सिर्फ एक पक्ष होता हैं । बहुत दुर्लभ है आध्यात्मिक मैत्री । हेनरी फ़ोर्ड अमेरिका के सुप्रसिद्ध उद्योगपति थें । उनको फ़ोर्ड कंपनी विख्यात हैं । एक दिन एक पत्रकार ने उनसे कहा - आप अखूट संपदा के मालिक हैं । अमेरिका में सबसे धनी आदमी हैं । आपके पास सबकुछ हैं ।

› प्रदीप छाजेड़

भ्रष्टाचार की शपथ से भ्रष्टाचार मुक्त भारत तक पसरी चुनौतियां

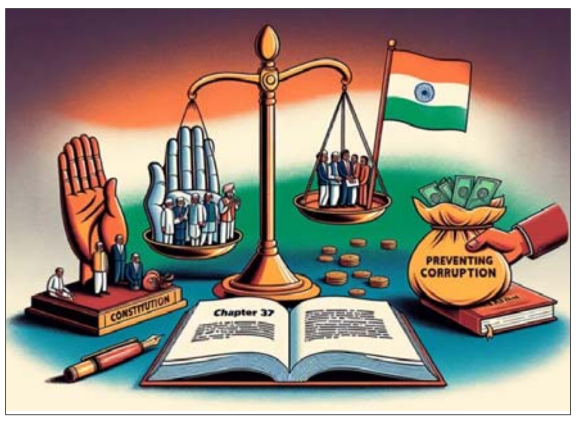

> भ्रष्टाचार का एक चेहरा आर्थिक है, दूसरा सत्ता-संस्कृति का। राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल व्यक्तिगत सुविधा के लिए होना भी सार्वजनिक नैतिकता को कमजोर करता है। इसका एक दिखाई देने वाला उदाहरण धार्मिक स्थलों पर वीआईपी दर्शन की संस्कृति है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में सबसे खतरनाक क्षण वह नहीं होता जब कोई व्यक्ति चोरी करता है, बल्कि वह होता है जब समाज चोरी को सामान्य मानने लगता है। जब रिश्वत को 'सुविधा शुल्क', कमीशन को 'व्यवस्था', राजनीतिक पहुंच को 'सिफारिश' और नियम तोड़ने को 'काम निकालने की कला' कहा जाने लगे, तब भ्रष्टाचार केवल कानून की समस्या नहीं रहता, वह सामाजिक संस्कार का संकट बन जाता है। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से सामने आया कथित वीडियो इसी भयावह मानसिकता का प्रतीक बनकर हमारे सामने आया है। वीडियो में कुछ लोग नगर निगम की आय को आपस में बांटने की शपथ लेते दिखाई दिए। प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं और वीडियो की परिस्थितियों व प्रामाणिकता की जांच की जा रही है। इसलिए अंतिम निष्कर्ष जांच के बाद ही निकाला जाना चाहिए। लेकिन इस घटना का महत्व केवल इतना नहीं है कि उसमें कौन दिखाई दे रहा है और उन्होंने क्या कहा। असली प्रश्न यह है कि क्या भ्रष्टाचार अब इतना निर्भीक हो गया है कि उसे छिपाने के बजाय उसके बंटवारे की भी शपथ ली जा सकती है? अगर किसी सार्वजनिक संस्था से जुड़े लोग सार्वजनिक धन को निजी हिस्सेदारी की तरह देखने लगें तो यह लोकतंत्र के लिए अत्यंत गंभीर चेतावनी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में भ्रष्टाचार के संदर्भ में 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा' का संकल्प सार्वजनिक रूप से व्यक्त किया था। उसके बाद भ्रष्टाचार के विरुद्ध अनेक संस्थागत और डिजिटल उपायों पर जोर दिया गया। केंद्र सरकार ने भी 'जीरो टॉलरेंस' की नीति दोहराई है, लोकपाल को भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों पर कार्रवाई के लिए वैधानिक भूमिका प्राप्त है और केंद्रीय सतर्कता आयोग की भूमिका निगरानी तथा निवारक सतर्कता में महत्वपूर्ण है। फिर भी प्रश्न बचा हुआ है-क्या कानून और तकनीक भ्रष्टाचार को खत्म कर सकते हैं, यदि भ्रष्टाचार की सामाजिक स्वीकार्यता बनी रहे? भ्रष्टाचार का नुकसान केवल सरकारी खजाने को नहीं होता। उसका सबसे बड़ा शिकार वह सामान्य नागरिक होता है जो लाइन में खड़ा है, टैक्स देता है, नियमों का पालन करता है और बदले में अपनी ही व्यवस्था से न्याय चाहता है। जिस सड़क का निर्माण होना था, वह घटिया बनती है तो नागरिक उसका मूल्य चुकाता है। जिस अस्पताल में दवा उपलब्ध होनी चाहिए, वहां कमी होती है तो गरीब मरीज कीमत चुकाता है। जिस सरकारी कार्यालय में काम समय पर होना चाहिए, वहां रिश्वत मांगी जाती है तो ईमानदार नागरिक की गरिमा पर चोट होती है।

ट्रांसप्रेंसी इंटरनेशनल के 2025 करप्शन परशेप्संस इंडेक्स में भारत को 39/100 अंक और 182 देशों में 91वां स्थान मिला। इसी संस्था के उपलब्ध ग्लोबल करप्शन बैरोमीटर आंकड़ों में 39 प्रतिशत सार्वजनिक सेवा उपयोगकर्ताओं ने पिछले 12 महीनों में रिश्वत देने की बात बताई थी, ये आंकड़े 2020 के एशिया सर्वे से संबंधित हैं, इसलिए इन्हें वर्तमान वर्ष की स्थिति का प्रत्यक्ष माप नहीं माना जाना चाहिए। आंकड़े हमें चेताते हैं, लेकिन उससे भी अधिक भयावह वह मानसिकता है जिसमें व्यक्ति भ्रष्टाचार का विरोध तब करता है जब वह स्वयं उसका शिकार बनता है। जब कोई काम पैसे देकर जल्दी हो जाता है, तो वही व्यवस्था हमें सुविधाजनक लगने लगती है। यहीं से भ्रष्टाचार को सामाजिक स्वीकृति मिलती है।

देश के अनेक प्रमुख मंदिरों में सामान्य श्रद्धालु घंटों कतार में खड़ा रहता है, जबकि प्रभावशाली व्यक्ति विशेष व्यवस्था से दर्शन कर लेता है। यह प्रश्न केवल मंदिर-प्रबंधन का नहीं है, यह समानता की लोकतांत्रिक भावना का प्रश्न है। आस्था में व्यक्ति छोटा-बड़ा नहीं होता। यदि सार्वजनिक व्यवस्था में पद, पैसा और पहुंच सामान्य नागरिक के अधिकार से ऊपर खड़े होने लगें तो लोकतंत्र का मूल भाव कमजोर पड़ता है। जरूरत इस बात की है कि विशेष परिस्थितियों-जैसे सुरक्षा, दिव्यांगता, बुजुर्गों या विशिष्ट आधिकारिक दायित्व को छोड़कर वीआईपी संस्कृति को धीरे-धीरे समाप्त करने की दिशा में स्पष्ट मानक बनाए जाएं। लोकतंत्र का अर्थ यह नहीं कि कुछ लोग हमेशा आगे रहें और बाकी नागरिक हमेशा कतार में।

आज डिजिटल इंडिया ने अनेक सेवाओं को ऑनलाइन बनाया है। इससे पारदर्शिता बढ़ाने और प्रत्यक्ष संपर्क घटाने में मदद मिली है। लेकिन जहां प्रक्रिया अस्पष्ट है, अधिकारी के पास अत्यधिक विवेकाधिकार है या शिकायत का प्रभावी समाधान नहीं है, वहां डिजिटल व्यवस्था के बावजूद भ्रष्टाचार के नए रास्ते निकल सकते हैं। जीएसटी जैसे जटिल कर-प्रशासन में भी पारदर्शिता, स्पष्ट नियम, जोखिम-आधारित जांच और अधिकारी की जवाबदेही अत्यंत जरूरी हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि पूरा विभाग भ्रष्ट है, बल्कि किसी भी बड़े प्रशासनिक तंत्र में व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि ईमानदार अधिकारी सुरक्षित रहे और भ्रष्ट आचरण छिपा न सके। भ्रष्टाचार का इलाज केवल छापे और निलंबन नहीं है। इलाज है-कम विवेकाधिकार, अधिक पारदर्शिता, समयबद्ध सेवा, डिजिटल ट्रैकिंग, स्वतंत्र शिकायत-निवारण और निश्चित जवाबदेही। आज जरूरत एक नई शपथ की है। ऐसी शपथ जो केवल समारोह में न ली जाए, बल्कि हर दिन प्रशासनिक निर्णय में दिखाई दे-सरकारी पद सुविधा नहीं, जिम्मेदारी है। जनता से मिला अधिकार निजी लाभ का साधन नहीं, लोकसेवा का अवसर है। सार्वजनिक धन पर पहला अधिकार जनता का है। न रिश्वत लेंगे, न दिलाएंगे, न किसी भ्रष्ट व्यक्ति को संरक्षण देंगे। और यदि हमारे सामने भ्रष्टाचार होगा तो मौन रहना भी अपनी जिम्मेदारी से भागना माना जाएगा। राजनेताओं के लिए भी सबसे बड़ी कसौटी चुनाव जीतना नहीं, सार्वजनिक विश्वास को बनाए रखना होनी चाहिए। राजनीतिक दलों को आरोप सिद्ध होने की प्रतीक्षा के साथ-साथ नैतिक आचरण के स्पष्ट मानक भी विकसित करने होंगे। प्रशासनिक अधिकारियों को भी यह संदेश देना होगा कि ईमानदारी केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, संस्थागत संस्कृति है। भ्रष्टाचार केवल नेता या अधिकारी पैदा नहीं करते। उसकी जमीन समाज में भी तैयार होती है। जब हम अपने बच्चे को कहते हैं-"किसी तरह काम करा लो", जब हम नियम तोड़कर गर्व महसूस करते हैं, जब हम अपने परिचित के लिए नियम बदलवाना चाहते हैं, जब हम रिश्वत देकर अपना काम जल्दी करवाकर खुश होते हैं-तब हम उसी व्यवस्था को मजबूत करते हैं जिसकी शिकायत अगले दिन करते हैं।

ललित गर्ग

'संपूर्ण' नामक यह...

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हिंदी को समर्पित भारत-नेपाल मैत्री का नया आयाम 'संपूर्ण'

भाषाएं केवल सूचनाओं के आदान-प्रदान का माध्यम नहीं होतीं; वे संस्कृतियों को जोड़ने वाले वे जीवंत सेतु होती हैं, जिन पर चलकर दो देशों के नागरिक एक-दूसरे के हृदयों तक पहुंचते हैं। जब बात हिंदी की हो, तो यह केवल एक भाषा मात्र नहीं रह जाती, बल्कि यह करोड़ों लोगों की भावनाओं, सद्भाव और सांस्कृतिक अस्मिता का वह स्पंदन है, जिसने पूरे भारतीय उपमहाद्वीप को एक विशेष एकता और भ्रातृत्व के सूत्र में पिरोया है। सदियों से इस भाषा ने न केवल साहित्य को समृद्ध किया है, बल्कि लोक-व्यवहार और संपर्क की सबसे सहज कड़ी बनकर समाज को एकजुट भी रखा है।

भारतीय इतिहास के पन्नों में 14 सितंबर 1949 का दिन स्वर्णाक्षरों में अंकित है। इसी दिन भारतीय संविधान ने हिंदी को राजभाषा के रूप में अंगीकार किया था। आज हिंदी न केवल राजभाषा के रूप में बल्कि संपर्क भाषा के रूप में भी अपनी एक सशक्त पहचान बना चुकी है। उस कालखंड में हिंदी के समक्ष एक नवोदित राष्ट्र को भाषाई और भावनात्मक स्तर पर एकताबद्ध करने का एक महान ऐतिहासिक अवसर था। राजभाषा के रूप में हिंदी की उस ऐतिहासिक उद्घोषणा से लेकर आज के आधुनिक संचार युग तक की यात्रा अत्यंत प्रगतिशील और प्रेरणादायी रही है। टंकण-यंत्रों की खटपट से शुरू होकर यह यात्रा संगणक (कंप्यूटर) के कुंजीपटल और अब अंतरजाल (इंटरनेट) तथा आधुनिक दूरभाष यंत्रों (मोबाइल) के स्पर्श-पटल तक पहुंच चुकी है। हिंदी ने समय और तकनीकी के हर सांचे में स्वयं को ढालकर यह सिद्ध कर दिया है कि वह सरकारी कार्यालयों की संचिकाओं, समृद्ध साहित्य और समाज में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखने के साथ-साथ, विश्व पटल पर भी एक सशक्त और जीवंत संपर्क माध्यम के रूप में स्थापित हो चुकी है। हिंदी की यह गौरवशाली विकास यात्रा और इसका प्रभाव अब राजनीतिक सीमाओं से परे जाकर वैश्विक पटल पर छा रहा है। यही कारण है कि केवल भारत में ही नहीं, बल्कि अन्य देशों में भी हिंदी के पठन-पाठन, प्रचार-प्रसार तथा उपयोग को निरंतर बढ़ावा मिल रहा है। इसका सबसे सुंदर और प्रत्यक्ष उदाहरण हमारा निकटतम मित्र राष्ट्र नेपाल है। भारत के मित्र देशों में शामिल पड़ोसी देश नेपाल में हिंदी बोलने, समझने और उपयोग करने वालों की अत्यधिक संख्या है। नेपाल में हिंदी का प्रचलन दशकों और सदियों से चला आ रहा है। भारत और नेपाल के भाषाई संबंध अत्यंत प्रगाढ़ हैं, जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण यह है कि नेपाली भाषा को भारतीय संविधान की 22 मान्य भाषाओं की अनुसूची में शामिल किया गया है। वहीं दूसरी ओर, नेपाल के हिंदी विद्वान भारत में कई क्षेत्रों में अत्यंत उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। पशुपतिनाथ से लेकर काशी विश्वनाथ तक और जनकपुर से लेकर अयोध्या तक, दोनों देशों की साझा विरासत एक ही है। हाल ही में अन्नपूर्णा संचार समूह के एक परिचयात्मक चलचित्र (प्रमोशनल वीडियो) में भारत के प्रधानमंत्री के वक्तव्य के माध्यम से इसी आत्मीयता को बहुत सुंदरता से रेखांकित किया गया है, जहाँ वे नेपाल को भारत का एक अंतरंग और घनिष्ठ मित्र बताते हैं। इस प्रगाढ़ मैत्री को और अधिक जीवंत बनाने में हिंदी लंबे समय से एक अत्यंत आत्मीय संपर्क भाषा की भूमिका निभा रही है।

इसी ऐतिहासिक जुड़ाव और भाषाई सेतु को अब एक नया और आधुनिक स्वरूप प्रदान किया गया है। हाल ही में अन्नपूर्णा मीडिया नेटवर्क द्वारा बनाए गए 'संपूर्ण' (Sampurna) एप्लीकेशन में हिंदी भाषा को भी शामिल किया गया है। इसके माध्यम से हिंदी भाषी लोगों को इस मीडिया हाउस के साथ जोड़ने का महत्वपूर्ण काम किया गया है। नेपाल को अपना घर मानने वाले, वहां व्यापार या विद्यार्जन करने वाले लाखों लोगों के लिए यह एक अत्यंत सुलभ और सकारात्मक कदम है। यह इस बात का सशक्त प्रमाण है कि 1949 में जिस हिंदी को भारत के राजकाज और जन-संपर्क के लिए चुना गया था, वह आज पड़ोसी देशों में भी जन-सशक्तिकरण और जुड़ाव का प्रमुख माध्यम बन रही है।

'संपूर्ण' नामक यह मंच केवल समाचारों या सूचनाओं के प्रसारण तक सीमित नहीं है; इसमें समाहित 'नागरिक स्वर' जैसी अभिनव सुविधा एक आम व्यक्ति को यह अधिकार और शक्ति देती है कि वह अपने आस-पास के सामाजिक विषयों और विकास संबंधी बातों को अपनी सहज भाषा, यानी हिंदी में, चित्रों और चलचित्रों के साथ सामने रख सके। बाद में इन जन-सूचनाओं की प्रामाणिकता और सत्यता की जांच संवाददा-ताओं द्वारा की जाती है।

टीम द्वारा...

बी0एल0 यादव

जनपद सोनभद्र के ग्राम मारकुण्डी के सरस्वती आजीविका महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्य मुर्गी पालन और किराना व्यवसाय से बनीं आत्मनिर्भर उद्यमी

कभी सीमित आमदनी और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच बेहतर भविष्य का सपना देखने वाली मोहरमनी आज अपने परिश्रम, दृढ़ इच्छाशक्ति और स्वयं सहायता समूह से मिले सहयोग के बल पर सफल उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बना रही हैं। सोनभद्र जनपद के राबर्ट्सगंज विकासखंड के मारकुण्डी (चकरिया) गांव की 30 वर्षीय मोहरमनी ने समूह से जुड़कर न केवल अपने भीतर आत्मविश्वास पैदा किया, बल्कि मुर्गी पालन और किराना दुकान जैसे उद्यमों को आगे बढाकर अपनी मासिक आय को 6 हजार रुपये से बढाकर 16 हजार रुपये तक पहुंचाया है। उनके उद्यम से स्वयं सहित दो अन्य लोगों को भी रोजगार का अवसर मिल रहा है। अनुसूचित जाति समुदाय से आने वाली और 10वीं पास मोहरमनी एक संयुक्त परिवार में रहती हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी। घर-परिवार की जिम्मेदारियों के साथ खेती और पशुपालन से होने वाली आय से परिवार का गुजर-बसर किसी तरह हो जाता था, लेकिन मोहरमनी हमेशा कुछ बेहतर करने और अपनी आमदनी बढ़ाने के बारे में सोचती रहती थीं। इसी सोच ने उन्हें सरस्वती आजीविका महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। समूह से जुड़ने के बाद मोहरमनी को विभिन्न योजनाओं, उद्यम संचालन और स्वरोजगार के नए अवसरों की जानकारी मिलने लगी। सामुदायिक बैठकों, एफजीडी, कैनवास गेम और एक्सपोजर विजिट जैसी गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी ने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया। धीरे-धीरे उनके मन में अपना उद्यम शुरू करने का विचार मजबूत हुआ। उन्होंने अपनी उपलब्ध पूंजी से मुर्गी पालन का कार्य शुरू किया। मेहनत और निरंतर प्रयास से इस व्यवसाय से आमदनी बढ़ने लगी और इसी आय का उपयोग करते हुए उन्होंने किराना दुकान भी शुरू कर दी।

उद्यमिता विकास परियोजना से मिला विस्तार का अवसर

प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी एवं उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी के कुशल नेतृत्व में महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। उद्यमिता विकास परियोजना के अंतर्गत मारकुण्डी गांव में आयोजित बैठक में मोहरमनी ने परियोजना की गतिविधियों और उद्देश्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की। टीम द्वारा उन्हें टेक्निकल सपोर्ट, फाइनेंस, मार्केटिंग और क्षमता संवर्धन के माध्यम से प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई। मोहरमनी ने टीम के समक्ष अपने मुर्गी पालन व्यवसाय को विस्तार देने की इच्छा जताते हुए मार्केटिंग सपोर्ट और ऋण की आवश्यकता बताई।

परियोजना टीम द्वारा उनके उद्यम का फोकस ग्रुप चर्चा (एफजीडी) कराया गया और आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर इंडियन बैंक से 3 लाख रुपये का सीसीएल ऋण स्वीकृत कराया गया। इसमें मोहरमनी का स्वयं का योगदान 30 हजार रुपये रहा। ऋण की सहायता से उन्होंने अपने व्यवसाय को विस्तार दिया। किराना दुकान में आवश्यक सामान उपलब्ध कराया और मुर्गी पालन के लिए चूजों की संख्या बढ़ाई।

जरा हटके

प्रदेश सरकार द्वारा...

डॉ0 सीमा गुप्ता

जौनपुर में औद्यानिक विविधीकरण से कृषक समृद्धि को मिली नई दिशा

प्रदेश सरकार द्वारा किसानों की आय में सतत वृद्धि और पारंपरिक खेती के विविधीकरण के लिए संचालित 'एकीकृत बागवानी विकास मिशन' (एमआईडीएच) के सकारात्मक परिणाम धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। जनपद जौनपुर में खाद्यान्न फसलों के पारंपरिक चक्र से आगे बढ़कर व्यावसायिक और उच्च मूल्य वाली औद्यानिक फसलों को अपनाने की दिशा में किसानों का रुझान तेजी से बढ़ा है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार के समन्वित प्रयासों से जनपद के किसान आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों, गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री और प्रत्यक्ष वित्तीय अनुदान का लाभ उठाकर आर्थिक स्वावलंबन की नई मिसाल कायम कर रहे हैं।

जनपद जौनपुर के विकासखंड बदलापुर अंतर्गत ग्राम गजेंद्रपुर की प्रगतिशील महिला कृषक श्रीमती प्रेमलता (पत्नी श्री भूप नारायण सिंह) ने औद्यानिक विविधीकरण को अपनाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सशक्तिकरण का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन में 0.8 हेक्टेयर क्षेत्रफल में टिश्यू कल्चर केले की व्यावसायिक खेती की शुरुआत की। पारंपरिक फसलों की तुलना में सीमित रकबे में उच्च उत्पादकता और सुनिश्चित बाजार मांग को देखते हुए उठाया गया यह कदम क्षेत्र के अन्य कृषकों के लिए भी पथ-प्रदर्शक सिद्ध हुआ है। योजना के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिला प्रशासन एवं उद्यान विभाग द्वारा कृषक को दो चरणों में वित्तीय उपादान उपलब्ध कराया गया। प्रथम चरण में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 0.8 हेक्टेयर भूमि पर केला रोपण हेतु 24,590 की अनुदान धनराशि स्वीकृत की गई। इसके उपरांत पौधों के स्थिरीकरण और समुचित रखरखाव को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2026-27 में द्वितीय वर्ष के रखरखाव मद में 8,193 की अतिरिक्त सहायता दी गई। इस प्रकार योजना के अंतर्गत कुल 32,783 का उपादान डीबीटी माध्यम से सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में हस्तांतरित किया गया। आर्थिक सहयोग के साथ-साथ विभाग द्वारा वैज्ञानिक फसल प्रबंधन, संतुलित पोषण और पादप सुरक्षा के संबंध में गहन तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया। श्रीमती प्रेमलता ने प्राप्त प्रशिक्षण के आधार पर ड्रिप सिंचाई प्रणाली, जैविक एवं रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग तथा समयानुसार निराई-गुड़ाई और कीट प्रबंधन को प्रभावी रूप से लागू किया। रोपण से लेकर कटाई तक के संपूर्ण फसल चक्र में जुताई, खाद, सिंचाई, पौध संरक्षण और श्रम सहित कुल कृषि लागत लगभग 1.50 लाख रही। वैज्ञानिक पद्धतियों के अनुपालन से प्राप्त उच्च गुणवत्तायुक्त उपज के विपणन से कृषक को लगभग 5.00 लाख की शुद्ध बचत प्राप्त हुई। श्रीमती प्रेमलता की यह उपलब्धि जौनपुर के ग्रामीण अंचल में महिला सशक्तिक-रण और कृषि उद्यमिता का एक सशक्त प्रमाण बनकर उभरी है। उनकी सफलता ने गजेंद्रपुर सहित बदलापुर एवं निकटवर्ती विकासखंडों के छोटे व सीमांत किसानों को पारंपरिक कृषि के साथ-साथ व्यावसायिक फल उत्पादन अपनाने के लिए प्रेरित किया है। महिलाओं द्वारा आधुनिक कृषि प्रबंधन को सफलतापूर्वक संचालित किए जाने से ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार और उद्यमशीलता का एक नया वातावरण तैयार हुआ है।

जनपद जौनपुर की भौगोलिक संरचना और गोमती नदी कछार की उपजाऊ जलोढ़ मृदा औद्यानिक फसलों के विकास के लिए अत्यंत अनुकूल है। इसी क्षमता का उपयोग करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा जनपद में फल, शाकभाजी, पुष्प, मसाला और औषधीय फसलों के क्षेत्रफल एवं उत्पादकता विस्तार पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। मिशन के अंतर्गत टिश्यू कल्चर केला, अमरूद की सघन बागवानी, आम, लीची, ड्रैगन फ्रूट और स्ट्रॉबेरी जैसी नकदी फसलों के रोपण पर निर्धारित मानकों के अनुरूप आर्थिक प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिससे किसानों को प्रति इकाई क्षेत्र से अधिकतम लाभ मिल सके।

प्रदेश सरकार द्वारा गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री की सुलभता सुनिश्चित करने के लिए प्रमाणित नर्सरियों और टिश्यू कल्चर प्रयोग-शालाओं के माध्यम से रोगमुक्त पौधों की आपूर्ति पर बल दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, जनपद में स्थित पुराने, अनुत्पादक और परंप-रागत बागों की उत्पादकता को पुनर्जीवित करने हेतु कैनोपी प्रबंधन एवं सघन जीर्णोद्धार कार्यक्रम क्रियान्वित किए जा रहे हैं। वैज्ञानिक छंटाई और पोषण प्रबंधन से पुराने बागों को पुनः फलदायी बनाकर कृषकों की परिसंपत्तियों का उत्पादक उपयोग संभव हो रहा है।

प्रदेश में जलवायु परिवर्तन के जोखिमों को न्यूनतम करने और बेमौसम उत्पादन के जरिए किसानों को लाभकारी मूल्य दिलाने के उद्देश्य से संरक्षित खेती (प्रोटेक्टेड कल्टीवेशन) को जनपद में गति दी जा रही है। पॉलीहाउस, शेडनेट हाउस, वॉक-इन टनल और प्लास्टिक मल्चिंग जैसी तकनीकों की स्थापना पर 50 प्रतिशत तक का वित्तीय अनुदान अनुमन्य कराया जा रहा है। इस व्यवस्था से नियंत्रित वातावरण में रंगीन शिमला मिर्च, खीरा, चेरी टमाटर तथा जरबेरा, डच रोज और ग्लैडियोलस जैसे व्यावसायिक फूलों की खेती का रकबा लगातार बढ़ रहा है।

जल संरक्षण और सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा देने के लिए मिशन का समन्वय 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' योजना के साथ किया गया है। टपक (ड्रिप) एवं फव्वारा (स्प्रिंकलर) सिंचाई पद्धतियों को अपनाने से पानी की 40 से 50 प्रतिशत तक बचत होने के साथ-साथ उर्वरकों की उपयोग दक्षता में सुधार हुआ है। खरपतवारों के प्रभावी नियंत्रण और मृदा नमी के संरक्षण से प्रति हेक्टेयर उत्पादकता में 20 से 30 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की जा रही है, जिससे खेती की लागत में भी उल्लेखनीय कमी आई है। औद्यानिक उत्पादों के शीघ्र नष्ट होने की प्रकृति को देखते हुए कटाई उपरांत प्रबंधन (पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट) की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसके साथ ही, स्थानीय स्तर पर प्याज उत्पादकों को बाजार की अनिश्चितता और भंडारण क्षति से सुरक्षा प्रदान करने के लिए 25 मीट्रिक टन क्षमता के लो-कॉस्ट प्याज भंडारण ढांचों के निर्माण पर वित्तीय सहायता दी जा रही है।

संजय निषाद का अखिलेश पर हमला

बोले- सपा पहले अपना वजूद बचाए, निषाद पार्टी को किसी की बैसाखी की जरूरत नहीं

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में मंत्री डॉ. संजय निषाद ने बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा- "जिनके घर शीशे के बने होते हैं, वे दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंकते।" संजय निषाद ने सपा नेताओं को नसीहत देते हुए कहा कि निषाद पार्टी के भविष्य पर अनर्गल टिप्पणी और अफवाह फैलाने के बजाय सपा को पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। उन्होंने कहा कि निषाद पार्टी को मिलने वाली सीटों की चिंता करने के बजाय सपा पहले कांग्रेस के साथ बैठकर अपनी सीटों का बंटवारा तय करे। सपा के अपने लोग ही टूटने की कगार पर हैं।

निषाद पार्टी को सपा की किसी बैसाखी की जरूरत नहीं है। सच यह है कि सपा अब तक कांग्रेस की बैसाखी का जुगाड़ भी नहीं कर पाई है। इसी बयान पर पलटवार करते हुए संजय निषाद ने कहा कि एनडीए में निषाद पार्टी का गठबंधन बराबरी और हिस्सेदारी का गठबंधन है। उन्होंने कहा कि निषाद समाज अपने राजनीतिक अधिकार और सम्मान के साथ समझौता नहीं करेगा। कसरवल कांड का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जिन सपा नेताओं ने हक मांगने वाले निषाद समाज के लोगों पर गोलियां चलवाईं, वे आज समाज का हितैषी बनने का ढोंग न करें। "निषाद समाज अपने शहीदों का बलिदान और उन पर हुए जुल्म को कभी नहीं भूला है।"

अखिलेश यादव ने विनोद साहनी हत्याकांड को लेकर की थी टिप्पणी

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गोंडा में निषाद समाज के नेता विनोद साहनी की हत्या के बाद संजय निषाद के धरने को लेकर अखिलेश ने 11 सितंबर 2026 को उन पर निशाना साधा था। अखिलेश ने संजय निषाद का नाम लेते हुए कहा कि सहयोगी दल के मंत्री को धरने पर बैठने के बजाय सरकार को डराना चाहिए, यानी सरकार से बाहर जाने की धमकी देकर दबाव बनाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार में पीडीए समाज की सुनवाई नहीं हो रही। इसके अलावा, उसी दिन अखिलेश ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए लिखा था कि "भाजपा में निषाद को विषाद के सिवा कुछ नहीं मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मछुआरों के खून में राजनीति और स्वाभिमान है। यह समाज बराबरी की भागीदारी में विश्वास करता है। मुगलों और अंग्रेजों से लोहा लेने वाले इस वीर समाज ने कभी किसी के लिए केवल दरी बिछाने की राजनीति नहीं की। गोंडा में हत्या के बाद सरकार के खिलाफ धरने से गरमाई थी राजनीति दरअसल, संजय निषाद इन दिनों लगातार राजनीतिक चर्चा में हैं।

'संजय निषाद कहां जाएंगे, यह सवाल नहीं, शिवपाल-रामगोपाल कहां जाएंगे?'

संजय निषाद ने अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर चल रही चर्चाओं पर भी सपा पर पलटवार किया। उन्होंने कहा- "डॉ. संजय निषाद के राजनीतिक भविष्य की चिंता करने के बजाय सपा पहले अपना वजूद बचाए। सवाल यह नहीं है कि संजय निषाद कहां जाएंगे; सवाल यह है कि खुद शिवपाल यादव और रामगोपाल यादव कहां जाएंगे?" उन्होंने दावा किया कि सपा लगातार सिकुड़ रही है, जबकि निषाद पार्टी का जनाधार निरंतर बढ़ रहा है।

अंसल होमबायर्स को बड़ी राहत, सुशांत गोल्फ सिटी के एलडीए टेकओवर को कैबिनेट की मंजूरी

₹2,912 करोड़ की सीड कैपिटल से पूरे होंगे अधूरे विकास कार्य

5,000 आवंटियों को मिलेगा लाभ

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। अंसल सुशांत गोल्फ सिटी के हजारों होमबायर्स के लिए राहत की बड़ी खबर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट की बैठक में सुशांत गोल्फ सिटी को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) द्वारा टेकओवर किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। इसके साथ ही परियोजना के लिए 2,912 करोड़ की सीड कैपिटल उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कैबिनेट के इस निर्णय पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। उन्होंने कहा कि अंसल होमबायर्स की वर्षों पुरानी

डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि उन्होंने 21 अगस्त 2026 को मुख्यमंत्री से व्यक्तिगत मुलाकात कर अंसल सुशांत गोल्फ सिटी के होमबायर्स की समस्याएं उनके समक्ष रखी थीं। उन्होंने आवंटियों के अधिकारों और जीवनभर की कमाई से जुड़े इस मामले में प्रभावी समाधान की मांग की थी।

प्रस्ताव के अनुसार, एनसीएलटी की अनुमति के बाद एलडीए योजना का टेकओवर करेगा। इससे करीब 5,000 होमबायर्स के हित सुरक्षित होने तथा वैध आवंटियों को नियमानुसार भवन और भूखंड उपलब्ध कराने का रास्ता साफ होने की उम्मीद है। परियोजना में वर्षों से अधूरी पड़ी सड़क, पेयजल, सीवरेज, ड्रेनेज, पार्क, रेलवे ओवरब्रिज और विद्युत सब-स्टेशन जैसी बुनियादी सुविधाओं को पूरा करने की भी योजना है। अधूरे विकास कार्यों पर करीब 2,216.91 करोड़ खर्च होने का अनुमान है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि सरोजनीनगर के अंसल होमबायर्स उनके लिए केवल आवंटी नहीं, बल्कि परिवार का हिस्सा हैं। उनके अधिकारों और आशियाने की रक्षा के लिए वह आगे भी उनके साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह निर्णय केवल एक टाउनशिप के टेकओवर तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से समाधान की प्रतीक्षा कर रहे हजारों परिवारों के अधिकार और भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

फास्ट न्यूज

विजय नारायण सिंह हत्याकांड, घायल गवाह बयान से पलटा

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर के चर्चित विजय नारायण सिंह हत्याकांड में घायल गवाह अनुज शर्मा से बुधवार को लगातार दूसरे दिन जिरह हुई। दोपहर करीब 3:30 बजे तक चली सुनवाई में अनुज अपने मुख्य बयान के दौरान पुलिस को दिए पूर्व बयान से मुकर गया। इसके बाद पीड़ित पक्ष ने उसे पक्षद्रोही घोषित कर दिया। पीड़ित की ओर से अधिवक्ता अरविंद सिंह राजा ने गवाह से जिरह की, लेकिन जिरह पूरी नहीं हो सकी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद पर हमले की जांच की मांग

संतकबीर नगर। संतकबीरनगर में बुधवार को आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के कार्यकर्ताओं ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष रामअनुज फौजी के नेतृत्व में यह ज्ञापन जनहित, सामाजिक न्याय और कानून-व्यवस्था से जुड़ी चार सूत्रीय मांगों को लेकर दिया गया। पार्टी ने इन मांगों पर जल्द कार्रवाई की अपील की है। ज्ञापन में गोंडा और बाराबंकी की घटनाओं का जिक्र किया गया है। इसके अलावा पंचायत सहायकों की समस्याओं, 68,500 शिक्षक भर्ती में आरक्षण से जुड़े मामले और इस्लामिक धर्मस्थलों से संबंधित मुद्दों का भी उल्लेख किया गया।

चोरी की तीन बाइक सहित दो आरोपी गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद में शमशाबाद थाना पुलिस ने चोरी की तीन बाइक के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बुधवार दोपहर डेढ़ बजे एएसपी गिरीश कुमार सिंह ने पुलिस लाइन में प्रेस वार्ता कर इस मामले का खुलासा किया।शमशाबाद पुलिस ने शाहजहांपुर जिले के जलालाबाद थाना क्षेत्र के अफतियापुर गांव के रहने वाले लेखपाल और शमशाबाद थाना क्षेत्र के बेला बरई गांव के रहने वाले हरिओम को पकड़ा।

अवैध पिस्टल से युवक ने खुद को मारी गोली, इलाज के दौरान मौत

मैगजीन गिरने के बाद भी पिस्टल में फंसा था कारतूस, कनपटी पर सटाकर दबाया ट्रिगर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के महिपाल खेड़ा चौकी सरसवां में मंगलवार देर रात एक युवक की अवैध पिस्टल से गोली लगने के बाद मौत हो गई। मृतक की पहचान यसार्थ शरण यादव (29) पुत्र शिव शरण यादव के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार घटना के समय युवक शराब के नशे में था। पुलिस को रात करीब 11 बजे सूचना मिली कि यसार्थ ने अपने घर में अवैध पिस्टल से अपनी कनपटी पर गोली मार ली है। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि यसार्थ कहीं से अवैध पिस्टल लेकर आया था और उसे अपनी पत्नी को दिखा रहा था। इसी दौरान पिस्टल की मैगजीन नीचे गिर गई। पिस्टल में एक कारतूस फंसा रह गया था।

परिजनों के मुताबिक, यसार्थ ने पिस्टल को अपनी कनपटी पर सटाकर यह कहते हुए ट्रिगर दबा दिया कि मैगजीन निकल गई है, इसलिए कुछ नहीं होगा।

गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे तत्काल सिविल अस्पताल, हजरतगंज लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर फॉरेंसिक टीम और फील्ड यूनिट को मौके पर बुलाया गया।

पुलिस ने घटनास्थल से अवैध पिस्टल और एक खोखा कारतूस कब्जे में लेकर सुरक्षित कर लिया है। शव को कब्जे में लेकर परिजनों की मौजूदगी में पंचायतनामा की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है।

दूसरी लड़की के साथ पकड़ा गया तो रौंदते हुए भागा, दावा- मुस्लिम, खुद को हिंदू बताया था

गर्लफ्रेंड को युवक ने कार से कुचला

- घटना के करीब 8 घंटे बाद पुलिस ने आरोपी शाहनवाज को गिरफ्तार कर लिया।
- अचानक उसने कार की स्पीड बढ़ा दी, जिससे लड़की का बैलेंस बिगड़ गया और वह सड़क पर गिर गई। आरोपी उसे कुचलते हुए निकल गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में हिट एंड रन का मामला सामने आया है। कार सवार ने लड़की को टक्कर मार दी, जिससे वह बोनट पर लटक गई। लड़की चिल्लाती रही, लेकिन आरोपी ने कार नहीं रोकी। 20-25 मीटर आगे जाकर उसने स्पीड बढ़ा दी। इससे लड़की सड़क पर गिर गई और आरोपी उसे कुचलते हुए भाग गया। घटना बुधवार सुबह 6 बजे गोमती नगर विस्तार थाना क्षेत्र के जनेश्वर मिश्र पार्क के पास हुई। इसका वीडियो भी सामने आया है। हालांकि, लड़की बाल-बाल बच गई। उसे चोटें आई हैं और अस्पताल में इलाज चल रहा है। घायल लड़की की पहचान अनामिका और आरोपी की शाहनवाज के रूप में हुई है। दोनों लखनऊ के ही रहने वाले हैं। अनामिका को शाहनवाज की गर्लफ्रेंड बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, अनामिका ने शाहनवाज को नई गर्लफ्रेंड के साथ पकड़ लिया था।

चश्मदीद बोला- लड़की चिल्लाती रही- भगवान मुझे बचा ल

एक चश्मदीद ने बताया- हमने देखा कि पहले एक कार आकर रुकी थी। कुछ देर बाद 2 लोग स्कूटर से वहां पहुंचे। कार में भी 2 लोग बैठे थे। स्कूटर रुकते ही कार धीरे-धीरे चलने लगी। स्कूटर पर बैठी महिला ने कार को रोकने की कोशिश की। इस पर ड्राइवर ने थोड़ी दूर जाकर कार रोक दी। जब लोग उससे बात करने पहुंचे तो वह अचानक तेज रफ्तार में कार लेकर भाग गया। हादसे में लड़की को गंभीर चोटें आईं। उसका हाथ भी टूट गया। लड़की दर्द से चिल्ला रही थी। रोते हुए कह रही थी- भगवान, मुझे बचा लो। मैं मर जाऊंगी।

डीसीपी दीक्षा शर्मा बोलीं- हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया गया

डीसीपी ईस्ट दीक्षा शर्मा ने बताया कि सुबह सूचना मिली थी कि जनेश्वर मिश्र पार्क के पास एक युवती को कार ने टक्कर मार दी है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पूछताछ में पता चला कि आरोपी की युवती से पहले से दोस्ती थी। आज दोनों पक्ष मौके पर मौजूद थे। किसी बात को लेकर उनके बीच विवाद हो गया।

बताया जा रहा है कि शाहनवाज का अनामिका से एक साल से अफेयर था। बुधवार को वह वेरना कार से एक लड़की के साथ जनेश्वर पार्क के पास चाय पीने आया था। यह बात अनामिका को पता चली तो स्कूटी से पहुंच गई। दूसरी लड़की के साथ शाहनवाज को देखकर दोनों में कहासुनी होने लगी।

पुष्टाहार उत्पादन से ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता की नई राह

43 जनपदों में 204 टीएचआर इकाइयों से 1.15 करोड़ लाभार्थियों तक पहुंच रहा पोषाहार

- 4 हजार से अधिक महिलाओं को मिला निरंतर रोजगार, रु 70 करोड़ से अधिक मानदेय का भुगतान
- 46 टीएचआर इकाइयां सौर ऊर्जा से संचालित, प्रतिमाह लगभग रु36.5 लाख की ऊर्जा लागत में बचत

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के कुशल दिशा-निर्देशन में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ ही प्रदेश में पोषण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा टेक होम राशन प्लांट्स (टीएचआर) में पोषाहार का उत्पादन कर निर्धारित प्रक्रिया के तहत आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से लाभार्थियों तक पोषाहार पहुंचाया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं आज आजीविका के नए अवसर प्राप्त कर अपने परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के साथ ही प्रदेश की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में भी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। टीएचआर इकाइयों के माध्यम से एक ओर जहां ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और आय का स्थायी अवसर मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर आंगनबाड़ी केन्द्रों के लाभार्थियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप पोषाहार की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के मध्य अभिसरण के लिए अनुबंध है। इस व्यवस्था के अंतर्गत प्रथम चरण में प्रदेश के 43 जनपदों में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा पुष्टाहार के उत्पादन एवं उसके आंगनबाड़ी केन्द्रों तक वितरण का कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में इन जनपदों में 204 टेक होम राशन (टीएचआर) उत्पादन इकाइयां स्थापित हैं। इन इकाइयों के माध्यम से 315 विकास खण्डों में स्थित आंगनबाड़ी केन्द्रों के लगभग 1.15 करोड़ लाभार्थियों के लिए निर्धारित रेसिपी के अनुसार पोषाहार तैयार कर उसकी आपूर्ति की जा रही है। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा अब तक 3.5 लाख मीट्रिक टन से अधिक पोषाहार का उत्पादन कर आंगनबाड़ी केन्द्रों तक पहुंचाया जा चुका है।

दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम मे वित्तीय वर्ष 2026-27 में दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजनान्तर्गत एस०एन०ए० स्पर्श माडयूल के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा स्वीकृत मदर सैक्शन के सापेक्ष अनुदान सं0-13 की धनराशि द्वारा अनुदान सं0-13 (सामान्य मद) मानक मद-27 सब्सिडी के अंतर्गत जारी केन्द्रांश Mother Sanction की धनराशि रु० 1770.25 लाख के सापेक्ष राज्यांश की धनराशि रु० 1180.17 लाख अर्थात कुल धनराशि रु० 2950.42 लाख (रु० उन्तीस करोड पचास लाख बयालिस हजार मात्र) की धनराशि अवमुक्त कर आयुक्त, ग्राम्य विकास के निवर्तन पर रखे जाने एवं व्यय किये जाने की स्वीकृति उत्तर प्रदेश शासन ग्राम्य विकास विभाग द्वारा प्रदान की गयी है। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश उत्तर प्रदेश शासन ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है।

यूपी में एक माह चलेगा सेवा संकल्प अभियान, 4.19 करोड़ परिवारों को जोड़ने का लक्ष्य

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार की सेवा, सुशासन, जनकल्याण और विकास से जुड़ी उपलब्धियों को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों से हुए बदलावों को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने के साथ नागरिकों को 'विकसित भारत-2047' के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ना है। अभियान के प्रभावी संचालन के

लिए शासन से लेकर जनपद स्तर तक त्रिस्तरीय समन्वय व्यवस्था तैयार की गई है।

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री एवं अभियान प्रभारी योगेंद्र उपाध्याय के मार्गदर्शन में अभियान की गतिविधियों को संचालित किया जाएगा।

सेवा संकल्प अभियान में पिछले 25 वर्षों की जनसेवा, सेवा एवं सुशासन से जुड़े कार्यों और गरीब कल्याण की योजनाओं को प्रमुखता से सामने रखा जाएगा। अभियान के दौरान केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से आम लोगों को मिले लाभ तथा उनके जीवन में आए बदलावों को प्रमाणिक तरीके से प्रस्तुत करने पर जोर रहेगा। युवा, महिला, किसान और वंचित वर्ग को अभियान से जोड़ने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

लखनऊ नगर निगम
लालबाग, टी.एन. रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.)
ई-मेलः nnlko@up.nic.in, वेबसाइटः https://lmc.up.nic.in

संख्याः 218/मु.अ./2026-27 दिनांक : 16.09.2026

अल्पकालिक निविदा सूचना

नगर निगम लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु दिनांक 30.09.2026 को मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है । निविदा प्रपत्र दिनांक 29.09.2026 तक अपरान्हन 2:00 बजे तक कार्यालय दिवस की अवधि में फार्म कीपर कार्यालय के अतिरिक्त, मुख्य अभियन्ता एवं मुख्य वित्त लेखाधिकारी कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते है तथा नगर निगम की वेबसाइट lmc.up.nic.in से टेंडर नोटिस डाउनलोड किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र मण्डलायुक्त महोदय लखनऊ के कार्यालय, जिलाधिकारी महोदय के कार्यालय एवं मुख्य अभियन्ता, नगर निगम, लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 30.09.2026 को अपरान्हन 3:00 बजे तक रखे निविदा बाक्स में डाले जा सकती है। प्राप्त निविदाओं को उसी तिथि को अपरान्हन 4:00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा। यदि निविदा तिथि को अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस को डाली एवं खोली जायेगी। किसी भी निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। पेवर कार्य हेतु निविदादाता के पास स्वयं का कम्पूटराइज हॉट मिक्स प्लान्ट व ब्राइवेटर रोलर होना आवश्यक है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	आगणन धनराशि (रू. में)	धरोहर धनराशि (रू. में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	18% GST	कुल निविदा मूल्य
1	खरिका प्रथम वार्ड में शेल्टर होम के परिसर में सी.सी. फ्लोरिंग, शौचालय मरम्मत, साइनेज बोर्ड एवं रंगाई-पुताई का कार्य।	424066	42407	1 माह	424	76	500
2	बाबू कुन्ज बिहारी ओमनगर वार्ड के अन्तर्गत गीतापल्ली मे स्थित रैन बसेरा की मरम्मत आदि का कार्य।	199159	1920	1 माह	200	36	236
3	अभियंत्रण खण्ड, जोन-06 के अन्तर्गत सआादतगंज रैन बसेरा में प्रथम एवं द्वितीय तल पर टाइल्स एवं वाह्य चाहारदीवारी मरम्मतीकरण का कार्य।	843157	84316	1 माह	843	152	995
4	अभियंत्रण खण्ड, जोन-06 के अन्तर्गत सआादतगंज रैन बसेरा में शौचालय में प्लम्बिंग, सीवेज सिस्टम, टाइल्स एवं अन्य मरम्मतीकरण का कार्य।	841233	84123	1 माह	841	151	992

शर्ते : 1. निविदा में प्रतिभाग हेतु नगर निगम में पंजीकृत होना आवश्यक नही है। न्यूनतम निविदा धारक को सफल होने पर नियमानुसार पंजीकरण कराना आवश्यक होगा। (आवेदक निविदादाता को शासनादेश संख्या-3890/ नौ-5-19-149सा0/2019 दिनांक 20.09.2019 का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा) **2.** शासनादेश सं0-6738/23-7-06-176(सा0)/06 दिनांक 31.01.2007 का पालन करते हुए रू. 40.00 लाख की धनराशि पर 10 प्रतिशत की दर से जमानत धनराशि निविदा के समय ही जमा करायी जायेगी। शासनादेश संख्याः- 692/23-07-2024 दिनांक 09-08-2024 के अनुसार यदि न्यूनतम निविदादाता की निविदित लागत, स्वीकृति (बी.ओ.क्यू.) लागत से 10 प्रतिशत से अधिक कम **(Below)** है तो 10 प्रतिशत से अधिक कमी **(Below)** के सापेक्ष 1 प्रतिशत प्रति प्रतिशत कम **(Below)** दर पर अतिरिक्त परफार्मेन्स सिक्योरिटी ली जायेगी जिसे ठेकेदार से अनुबन्ध गठन के समय जमा कराया जायेगा। अतिरिक्त परफारमेन्स सिक्यूरिटी ऑनलाइन इण्टरनेट बैंकिग/आर.टी.जी.एस./ एन.ई.एफ.टी/डयूली प्लेज्ड एफ.डी.आर./बैंक गारण्टी के माध्यम से स्वीकार की जायेगी। **3.** कार्य पूर्ण होने के 1 वर्ष की डिफेक्ट लायबिलिटि पीरियड के उपरान्त कार्य सन्तोषजनक पाये जाने पर ही जमानत धनराशि अवमुक्त किया जायेगा। **4.** 15 प्रतिशत से अधिक की न्यून दर की निविदाओं में अतिरिक्त परफारमेन्स सिक्योरिटी डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड पूर्ण होने एवं कार्य सन्तोषजनक पाये जाने पर अवमुक्त की जायेगी। **5.** किसी कार्य में एक से अधिक निविदादाताओं की एक समान दर पर सर्वन्यून निविदा प्राप्त होने पर इन निविदादाताओं के मध्य लाटरी के माध्यम से सफल निविदादाता का चयन किया जायेगा। **6.** 15 प्रतिशत से अधिक न्यून निविदाओं की स्वीकृति के पूर्व सम्बन्धित निविदादाता द्वारा शपथ-पत्र पर गुणवत्तापरक कार्य करने हेतु अपनी कार्ययोजना/बारचार्ट निविदा समिति के समक्ष प्रस्तुत करना होगा एवं निविदा समिति द्वारा गुण दोष के आधार पर निविदा स्वीकृति/अस्वीकृत पर निर्णय लिया जायेगा।

मुख्य अभियन्ता

सौगात : छह हजार की जगह अब हर माह मिलेंगे नौ हजार रुपये, 57 हजार से अधिक पंचायत सहायकों को लाभ

पंचायत सहायकों को मुख्यमंत्री योगी की बड़ी सौगात, मानदेय में 50 फीसदी की बढ़ोतरी

- डीबीटी से सीधे खाते में आएगा मानदेय, कैबिनेट से ली जाएगी स्वीकृति प्रधान और सचिव नहीं हटा सकेंगे, डीएम की अध्यक्षता वाली कमेटी ही करेगी फैसला
- आंदोलन के मुकदमे होंगे वापस, हटाए गए पंचायत सहायकों की होगी बहाली
- महिलाओं को मातृत्व अवकाश, उपचार के लिए मिलेगी कैशलेस सुविधा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 57 हजार से अधिक पंचायत सहायकों को बड़ी सौगात दी है। उनके मानदेय में तीन हजार रुपये की बढ़ोतरी की गई है। अभी पंचायत सहायकों को छह हजार रुपये प्रतिमाह मिलते हैं, जिसे बढ़ाकर नौ हजार रुपये किया जाएगा। इस तरह मानदेय में 50 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही पंचायत सहायकों को सेवा सुरक्षा, कैशलेस उपचार और महिला पंचायत सहायकों को मातृत्व अवकाश की सुविधा भी मिलेगी। पंचायत सहायकों की मांगों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से वार्ता के बाद पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बुधवार को आंदोलन का नेतृत्व कर रहे पंचायत सहायकों के प्रतिनिधियों से बातचीत की और उन्हें बुलाया। इसके बाद प्रतिनिधियों की मौजूदगी में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पंचायत सहायकों के हित में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। अभी पंचायत सहायकों का मानदेय राज्य वित्त आयोग की धनराशि से दिया जाता है। अब कैबिनेट से स्वीकृति लेकर डीबीटी की व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके बाद नौ हजार रुपये का मानदेय सीधे पंचायत सहायकों के बैंक खातों में भेजा जाएगा। इसका लाभ प्रदेश के 57 हजार से अधिक पंचायत सहायकों को मिलेगा। पंचायत सहायकों की सेवा सुरक्षा को लेकर भी बड़ा फैसला लिया गया है। अब ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव अपने स्तर से पंचायत सहायक को नहीं हटा सकेंगे। इसके लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कमेटी गठित की जाएगी। किसी पंचायत सहायक को हटाने का फैसला यही कमेटी कर सकेगी। आंदोलन के दौरान जिन पंचायत सहायकों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए हैं, उन्हें वापस लिया जाएगा। इस दौरान कार्रवाई कर जिन पंचायत सहायकों को हटाया गया है, उन्हें दोबारा बहाल किया जाएगा। महिला पंचायत सहायकों को मातृत्व अवकाश की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही पंचायत सहायकों को उपचार के लिए कैशलेस सुविधा का लाभ भी दिया जाएगा।

अपनी मांगों को लेकर धरना दे रहे पंचायत सहायकों के आंदोलन का नेतृत्व कर रहे प्रतिनिधियों से पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बातचीत की। प्रतिनिधियों को बुलाकर उनके साथ वार्ता की गई। इसके बाद पंचायत सहायकों के प्रतिनिधि मंत्री के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्तर पर लिए गए फैसलों की जानकारी मिलने के बाद पंचायत सहायकों ने अपना धरना समाप्त कर दिया।

मथुरा में 5 लाख दीपक जलाए जाएंगे, डीएम ने मीटिंग कर अधिकारियों को निर्देश दिए

सेवा संकल्प अभियान

■ लाभान्वित परिवार द्वारा लगभग 3 लाख 50 हज़ार परिवारों द्वारा आशीर्वाद का दीया जलाया जाएगा।

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान के संबंध में डीएम चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में बैठक की गई। सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के निरंतर सेवा काल में नीतिगत सुधारों, जनकल्याणकारी कार्यों व देश-प्रदेश में आए ऐतिहासिक बदलावों को जन-जन तक पहुंचाना और आम जन स्मृति में स्थायित्व प्रदान करना है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियां, केन्द्र सरकार के 12 वर्षों एवं राज्य सरकार के 10 वर्षों के विकास कार्यों से जनजीवन में आए सकारात्मक परिवर्तनों को प्रामाणिक रूप से प्रस्तुत करना है।

यह होंगे कार्यक्रम

- मथुरा के टैंक चौराहा में अखंड ज्योति की स्थापना की जाएगी। जिले की सभी तहसीलों से पैदल, साइकिल तथा बाइक रैली का आयोजन किया जाएगा।
- 17 सितंबर को अभियान चलाकर श्रमदान किया जाएगा। कार्यालयों, संस्थानों, सार्वजनिक स्थानों, घाटों, चौराहों, मंदिरों, पार्कों, स्मारकों, विद्यालयों आदि में लोगों द्वारा श्रम दान किया जाएगा।
- 18 सितम्बर को वृक्षारोपण कार्यक्रम,
- 19 सितम्बर को रक्तदान शिविर एवं अंगदान संकल्प,
- 20 सितम्बर को स्वास्थ्य शिविर व रक्तदान शिविर,
- 21 सितम्बर को नशामुक्त भारत,
- 22 सितंबर को मतदाता जागरूकता अभियान,
- 23 सितंबर को रोजगार मेला एवं कैरियर काउंसलिंग,
- 24 सितम्बर को गौशालाओं में सफाई, गो पूजन तथा
- सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक अभियान,
- 25 सितम्बर को डिजिटल लाइब्रेरी का लोकार्पण,
- 2000 बच्चों की काउंसलिंग तथा बेटी बचाओं-बेटी
- पढ़ाओ का कार्यक्रम किया जाएगा।
- 26 सितंबर को पिछड़ा वर्ग कार्यक्रमों का प्रसार,
- 28 सितंबर को समाज कल्याण विभाग की योजनाओं का प्रसार,
- 29 सितंबर को सर्व शिक्षा अभियान,
- 30 सितंबर को वोकल फॉर लोकल कार्यकम,
- 1 अक्टूबर को राष्ट्रीय कैडिट कॉर की उपयोगिता,
- 3 अक्टूबर को नदी घाटों की सफाई,
- 5 अक्टूबर को पंचायती राज विभाग के कार्यकम,
- 6 अक्टूबर को विशेष स्वच्छता अभियान तथा मलिन बस्ती में साफ-सफाई,
- 7 अक्टूबर को ग्राम पंचायतों में कराये जा रहे कार्यों पर श्रमदान,
- 8 अक्टूबर को प्रत्येक विधान सभा के कम से कम दो स्थलों का कायाकल्प,
- 9 अक्टूबर को कृषक गोष्ठी,
- 12 अक्टूबर को मत्स्य विभाग द्वारा झींगा मछली पर विशेष प्रचार प्रसार,
- 13 अक्टूबर को खादी ग्रामोद्योग विभाग की योजनाओं प्रचार-प्रसार,
- 15 अक्टूबर को महिला जागरूकता कार्यक्रम
- 16 अक्टूबर को स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र एवं छात्राओं के साथ संवाद कार्यक्रम होंगे।

यह रहे मौजूद

बैठक में नगर आयुक्त ओजस्वी राज, सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता, एडीएम वित्त एवं राजस्व डॉ पंकज कुमार वर्मा, सीएमओ डॉ. राधावल्लभ, डीडीओ गरिमा खरे, पीडी डीआरडीए अरुण कुमार उपाध्याय, उपायुक्त उद्योग चंद्रभान सिंह, ला समाज कल्याण अधिकारी रेनू सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। उच्च शिक्षण संस्थानों में इंटेलेक्चुअल का युवाओं पर भाषण प्रतियोगिताओ का आयोजन किया जाएगा।

ग्राम पंचायत और वार्ड स्तर पर लगेंगे रक्तदान शिविर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं शहरी वार्ड में रक्तदान शिविर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों के सफल, सुव्यवस्थित एवं प्रभावी आयोजन के लिए जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र पर 3 दिवसीय उत्सव एवं संवाद कार्यक्रम, आशा बहुओं, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं एवं उत्कृष्ट लाभार्थी माताओं का सार्वजनिक सम्मान, 25 वर्षों में महिला एवं बाल विकास नीतियों से आए बदलावों की सरल भाषा में जानकारी, हेल्थी बेबी प्रतियोगताओं का आयोजन, बच्चों को कॉमिक बुक्स, पौष्टिक फल एवं मिठाई का वितरण, अतिरिक्त पोषाहार, सामग्री वितरण की व्यवस्था की जाएगी।

ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण

डीएम ने सुरक्षा, सीसीटीवी और अग्निशमन व्यवस्था परखी

तमसा संकेत, संवाददाता

हरदोई। हरदोई की कोतवाली शहर पुलिस ने 7 सितंबर की तड़के दो सर्राफा दुकानों में हुई चोरी का खुलासा करते हुए बुधवार को लखनऊ के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने 16 सितंबर को दोपहर करीब 2 बजे दीपांशु उर्फ प्रियांशु और इजहार हुसैन उर्फ अरबाज हुसैन को पकड़ा। उनके पास से चोरी के चांदी के जेवरात, नकदी, वारदात में इस्तेमाल लोहे की रॉड और मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पुलिस के मुताबिक, दोनों दिन में सर्राफा दुकानों की रेकी करते और रात में शटर तोड़कर चोरी करते थे। पुलिस के अनुसार, 7 सितंबर को सुबह करीब 4:30 बजे शहर कोतवाली क्षेत्र में दो सर्राफा कारोबारियों की दुकानों में चोरी हुई थी। आरोपियों ने शटर तोड़कर दुकान में प्रवेश किया और सोने-चांदी के जेवरात के साथ नकदी लेकर फरार हो गए थे। वारदात का CCTV फुटेज भी सामने आया था। दुकानदारों की शिकायत पर पुलिस ने दोनों मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे दिन में शहरों और कस्बों में घूमकर सर्राफा दुकानों की रेकी करते थे। इसके बाद रात में चुनी हुई दुकान पर पहुंचते और लोहे की रॉड से शटर तोड़कर अंदर घुसते थे। जेवरात और नकदी लेकर दोनों मौके से फरार हो जाते थे। पुलिस के मुताबिक, चोरी का सामान बेचकर दोनों अपना खर्च चलाते थे।

फास्ट न्यूज

अलीगढ़ में नकली किन्नरों का आतंक

अलीगढ़। अलीगए.में कंपनी बाग चौराहे और पुराने बस स्टैंड क्षेत्र में कथित किन्नरों के उत्पात का मामला सामने आया है। यहां कुछ युवकों और किन्नरों के बीच जमकर मारपीट हुई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दोनों पक्ष एक-दूसरे से मारपीट करते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि पुराने बस स्टैंड के पास कुछ युवकों ने कथित किन्नरों को पकड़कर उनके लोगों को परेशान करने का विरोध किया।

मंदिर में पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म की कोशिश

आगरा। आगरा की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने कॉलोनी के मंदिर में पांच साल की बच्ची से दुराचार के प्रयास के मामले में आरोपी पवित्र उर्फ पम्मी को दोषी माना है। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट सोनिका चौधरी ने उसे 7 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना की पूरी राशि पीड़िता को देने के आदेश दिए गए हैं। साथ ही, उचित प्रतिकर दिलाने के लिए आदेश की प्रति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भेजने के निर्देश दिए हैं। यह मामला जगदीशपुरा थाने में दर्ज हुआ था।

'सम्मान नहीं मिला तो फांसी लगा लूंगी'

आगरा। आगरा में सपा अल्पसंख्यक सभा की राष्ट्रीय सचिव मोनिका नाज खान ने महानगर अध्यक्ष शब्बीर अब्बास पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए पद से इस्तीफा दे दिया। मंगलवार शाम जारी 57 सेकंड के वीडियो में उन्होंने तीन दिन में सम्मान और न्याय नहीं मिलने पर आत्महत्या करने की चेतावनी दी। मोनिका ने कहा कि वह लखनऊ स्थित सपा कार्यालय में ऐसा कदम उठाएंगी।

कानपुर में पुलिस कोर्ट लेकर पहुंची, बोली- फोटो खींचने वालों को रोको

करोड़पति कारोबारी की बहू दुपट्टे से मुंह छिपाती रही

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में करोड़पति दवा कारोबारी की हत्यारोपी बहू बुधवार को कोर्ट में पेशी के दौरान चेहरा छिपाती नजर आई। वह दुपट्टे से लगातार चेहरा ढकती रही और कैमरों से बचती नजर आई। उसने पुलिसकर्मियों से कहा- इनको रोको। इस दौरान उसकी बहन और भाई भी उससे मिलने कोर्ट पहुंचे। पुलिस ने तीनों आरोपियों- बहू शालू, नौकर विशाल गौतम और उसके साथी राजकिशोर को सीजेएम प्रदीप कुमार शुक्ला की कोर्ट में सुबह करीब 10:30 बजे पेश किया। मामले को एसीजेएम कोर्ट में ट्रांसफर किया गया। विवेचक कोर्ट में कहा- कारोबारी के फ्लैट की चार चाभी थी। इसमें रखी दो चाभी और परेड चौराहे पर आरोपियों की ओर से बनवाए गए डुप्लीकेट चाभी की बरामदगी करनी है। पुलिस ने तीनों से पूछताछ के लिए 24 घंटे की रिमांड मांगी है, जबकि क्रॉस एग्जामिनेशन के लिए कारोबारी के बेटे सुब्रत की भी रिमांड मांगी गई है। अब मामले की अगली सुनवाई 19 सितंबर को होगी। मंगलवार को कल्याणपुर इंस्पेक्टर केशव कुमार तिवारी ने रिमांड के लिए कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। कारोबारी विनीत मनोचा की 5 सितंबर को उनके फ्लैट के कमरे में हत्या कर दी गई थी। हत्या की साजिश का आरोप बहू शालू पर लगा है। आरोप है कि बहू ने नौकर से ससुर की हत्या कराई। विनीत मनोचा हत्याकांड में पुलिस को जांच में कई अहम सुराग मिले हैं। कॉल डिटेल के मुताबिक, 5 सितंबर की रात सोसाइटी में दाखिल होने के बाद नौकर विशाल और उसके साथी राजकिशोर करीब 48 मिनट तक अपार्टमेंट परिसर में घूमते रहे और इस दौरान मोबाइल पर तीन बार बात की। पुलिस का मानना है कि इसी दौरान दोनों ने हत्या की योजना और फ्लैट में दाखिल होने के तरीके पर बातचीत की। करीब 20 मिनट बाद रात 10:58 बजे कारोबारी अपने घर पहुंचे। उन्हें शालू के कमरे से आहट सुनाई दी। कमरे में पहुंचने पर दोनों आरोपी वहां छिपे मिले। इसके बाद उनके बीच संघर्ष हुआ। पुलिस के मुताबिक, रात 11:28 बजे दोनों आरोपी फ्लैट से बाहर निकलते सीसीटीवी में कैद हुए।

बिजली चोरी में 16 पर मुकदमा

मुरादाबाद में बिजली चोरों के खिलाफ चला अभियान

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। बिजली चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने और ईमानदार उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत व्यवस्था उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विद्युत विभाग की ओर से सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। मुख्य अभियंता शशांक कुमार अग्रवाल के निर्देश में चलाए गए अभियान के दौरान विद्युत चोरी के 16 मामले पकड़े गए। जांच के दौरान बिजली चोरी पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। विभाग की ओर से सभी मामलों में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। अभियान का उद्देश्य बिजली चोरी रोकने के साथ-साथ विद्युत व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी एवं मजबूत बनाना है। भारत फर्स्ट टीवी की टीम से बातचीत में मुख्य अभियंता शशांक कुमार अग्रवाल ने बताया कि अभियान के दौरान 16 स्थानों पर बिजली चोरी पकड़ी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिजली चोरी के खिलाफ विभाग की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि विद्युत विभाग उपभोक्ताओं को बेहतर और निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। बिजली चोरी पर रोक लगने से विद्युत व्यवस्था को मजबूत करने और ईमानदार उपभोक्ताओं को बेहतर आपूर्ति देने में भी मदद मिलेगी। विद्युत विभाग की इस कार्रवाई से साफ है कि बिजली चोरी करने वालों पर शिकंजा कसने के साथ ही आम उपभोक्ताओं के हितों को प्राथमिकता दी जा रही है।

एसएसपी ने किया हर्रा पुलिस चौकी के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मेरठ बीबीजीटीएस मूर्ति ने मंगलवार को थाना सरूरपुर क्षेत्र के अंतर्गत नवनिर्मित पुलिस चौकी हर्रा के नवीन भवन का विधिवत लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने चौकी परिसर का निरीक्षण कर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एसएसपी ने संबंधित अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को क्षेत्र में प्रभावी गश्त बढ़ाने, अपराधों पर नियंत्रण रखने, जनसुनवाई को प्राथमिकता देने तथा आमजन की शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नवीन भवन के संचालन से क्षेत्र में पुलिस की सक्रिय मौजूदगी और निगरानी व्यवस्था मजबूत होने की उम्मीद है। लोकार्पण कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अभिजीत सिंह, क्षेत्राधिकारी सरधना आशुतोष सिंह, थानाध्यक्ष सरूरपुर सहित अन्य पुलिस अधिकारी-कर्मचारी और क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जयपुर रियासत की संपत्तियों पर राजस्थान का दावा

आगरा समेत यूपी के चार शहरों में संपत्तियां वापस मांगने के बाद प्रशासन ने शुरू की जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में जयपुर रियासत की संपत्तियों को लेकर राजस्थान सरकार के दावे के बाद प्रशासन ने पुराने रिकॉर्ड खंगालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। राजस्थान सरकार ने उत्तर प्रदेश के आगरा, मथुरा, वाराणसी और प्रयागराज में जयपुर रियासत से जुड़ी संपत्तियों पर अपना अधिकार जताते हुए उन्हें वापस मांगा है। इसके बाद आगरा के जिलाधिकारी मनीष बंसल ने संबंधित विभागों को अभिलेखों की जांच कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। डीएम मनीष बंसल ने नगर निगम, आगरा विकास प्राधिकरण और एसडीएम सदर को पत्र भेजकर जयपुर हाउस से जुड़े पुराने दस्तावेजों की जांच करने को कहा है। प्रशासन का फोकस फिलहाल यह पता लगाने पर है कि जिन संपत्तियों पर राजस्थान सरकार ने दावा किया है, उनके संबंध में पुराने सरकारी रिकॉर्ड में क्या दर्ज है। राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की ओर से भेजे गए पत्र में वर्ष 1952 में हुए विलय समझौते का हवाला दिया गया है। पत्र के मुताबिक आगरा में जयपुर रियासत से जुड़ी दो ऐतिहासिक कोठियों और करीब 100 बीघा जमीन पर राजस्थान सरकार ने अधिकार का दावा किया है। दावे में सदाशिव मनःकामेश्वर मंदिर से जुड़े क्षेत्र और सड़क की एक प्रमुख पट्टी का भी उल्लेख किया गया है। राजस्थान सरकार ने इन संपत्तियों में से किसी उपयुक्त जमीन को उपलब्ध कराने की मांग भी की है। राजस्थान के मुख्य सचिव की ओर से भेजे गए पत्र के साथ 16 फरवरी 1952 का राजपत्र भी लगाया गया है।

जमीन मिली तो बन सकता है राजस्थान भवन

राजस्थान सरकार की ओर से यह भी मांग की गई है कि यदि उपयुक्त जमीन उपलब्ध हो तो वहां राजस्थान भवन या राजस्थान मंडपम बनाया जा सके। यानी संपत्तियों के दावे के साथ राजस्थान सरकार ने संबंधित भूमि में अपने राज्य से जुड़े भवन के निर्माण का प्रस्ताव भी रखा है। हालांकि, जमीन और संपत्तियों पर वास्तविक अधिकार किसका है, यह अभी रिकॉर्ड की जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। फिलहाल प्रशासन ने दस्तावेजों के आधार पर स्थिति की पड़ताल शुरू की है।

दोनों राज्यों के गजट का होगा मिलान

नगर निगम की सहायक नगर आयुक्त श्रद्धा पांडेय के अनुसार मामले में बड़ी संख्या में दस्तावेजों की जांच की जाएगी। सबसे पहले वर्ष 1952 के उत्तर प्रदेश सरकार के राजपत्र का अध्ययन होगा। इसके बाद राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकार के राजपत्रों में दर्ज विवरण का मिलान किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक दोनों राज्यों के दस्तावेजों की जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि संबंधित संपत्तियों की स्थिति क्या है और पुराने रिकॉर्ड में उनका स्वामित्व किस तरह दर्ज किया गया था। नगर निगम सबसे पहले वर्ष 1952 के उत्तर प्रदेश सरकार के राजपत्र यानी गजट का अध्ययन करेगा। इसके बाद उपलब्ध अन्य दस्तावेजों और रिकॉर्ड को भी जांच में शामिल किया जाएगा।

पृष्ठ 01 का शेष...

सत्य निकेतन बिल्डिंग ...

कोर्ट सत्य निकेतन हादसे की स्वतंत्र जांच की मांग वाली PIL पर सुनवाई कर रहा था। यह PIL आकर्षक दानवीर राठी ने दायर की है। याचिका में सभी पेइंग-गेस्ट आवासों की जांच की मांग की गई है। इसमें पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए मुआवजे और पुनर्वास योजना की मांग भी की गई है। बेंच ने कहा कि इस PIL पर 25 सितंबर को एक दूसरी याचिका के साथ सुनवाई होगी। हाईकोर्ट ने 7 सितंबर को घटना की उच्चस्तरीय MCD जांच का आदेश दिया था। कोर्ट ने साफ कहा था कि सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। कोर्ट ने कहा था कि यह घटना सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण नहीं है। इससे हॉस्टल समेत छात्रों के लिए पर्याप्त आवास सुविधाओं पर गंभीर चिंता पैदा हुई है। अदालत ने दिल्ली यूनिवर्सिटी और सरकार की ओर से चलाए जा रहे हॉस्टलों की स्थिति पर भी चिंता जताई थी। इसके अलावा, छात्रों की सुरक्षा और पेइंग-गेस्ट सुविधाओं को नियंत्रित करने के लिए MCD और अन्य अधिकारियों के अपर्याप्त कदमों पर सवाल उठाए थे। दिल्ली पुलिस ने PG हादसे में बिल्डिंग मालिक हरिराम बंसल, उनकी पत्नी उर्मिला, बेटे महेश, लेबर कॉन्ट्रैक्टर सनोज और सुधांशु नाम के शख्स को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में ठेकेदार सनोज ने बताया कि महेश गुप्ता ने उसे 10 दिन पहले रेनोवेशन के लिए लगाया था। उसे 2800 रुपये रोज मिलते थे। काम बेसमेंट को ग्राउंड फ्लोर के बराबर लेवल करने का था, जिसके लिए बेसमेंट में करीब 3 ट्रक मलबा भरा गया था। ग्राउंड फ्लोर पर दुकान की जगह में एक दीवार रुकावट बन रही थी। हादसे वाले दिन जगह बनाने के लिए उस दीवार को हटा दिया गया। दीवार हटते ही कमजोर इमारत लोड नहीं झेल पाई और ढह गई।

मैं दिशा सालियान को ...

उन्होंने आदित्य ठाकरे समेत अन्य लोगों के खिलाफ FIR की मांग की थी। उन्होंने यह भी कहा था- मैं 6 साल से इसका इंतजार कर रहा था। खुश होने की कोई वजह नहीं है। मैंने अपनी बेटी को खोया है। आज मुझे राहत महसूस हो रही है। मैंने हाथ जोड़कर जज के प्रति आभार जताया। सतीश सालियान के वकील निलेश ओझा ने कहा था कि जिन लोगों के खिलाफ जांच में सबूत मिलेगा, उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। अगर किसी व्यक्ति के खिलाफ सबूत नहीं मिलता है तो उसे आरोपी नहीं बनाया जाएगा। अगर CBI की रिपोर्ट नकारात्मक आती है, तो परिवार को उस पर आपत्ति जताने और प्रोटेस्ट पिटीशन दाखिल करने का अधिकार रहेगा। ओझा के मुताबिक, FIR में आदित्य ठाकरे, सूरज पंचोली, डीनो मोरिया, आदित्य ठाकरे के बॉडीगार्ड, रिया चक्रवर्ती, परमबीर सिंह, उद्धव ठाकरे, सचिन वाजे और पिछली SIT के उन सदस्यों के नाम भी आरोपी के तौर पर दिए गए हैं, जिन पर मामले को दबाने का आरोप है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2 सितंबर की सुनवाई के दौरान छह साल तक FIR दर्ज न करने के लिए मुंबई पुलिस को फटकार लगाई और कहा था कि पुलिस की जांच से जवाबों से ज़्यादा सवाल खड़े होते हैं। दिशा केस की शुरुआती जांच करीब तीन महीने में बंद कर दी गई थी। अक्टूबर 2020 में पुलिस ने मौत को सुसाइड बताया था। वहीं दिसंबर 2023 में केस दोबारा खोला गया और SIT बनाई गई। इसमें भी आत्महत्या की बात कही गई थी।

यूपीआई पर चार्ज ...

2,000 तक के UPI पेमेंट और व्यक्ति से व्यक्ति (P2P) ट्रांजैक्शन पर कोई शुल्क नहीं होगा। सरकार के अनुसार करीब 96% मर्चेंट UPI ट्रांजेक्शन भी इस शुल्क से प्रभावित नहीं होंगे। सरकार ने जुड़े सूत्रों ने न्यूज एजेंसी PTI को बताया कि UPI पर फैसला लिया जा चुका है और इसे पलटने का कोई सवाल ही नहीं है। नितिन ने उदाहरण देकर समझाया- अगर कोई ग्राहक 20,000 का सामान खरीदता है और UPI से भुगतान करता है, तो मर्चेंट को उसके बदले बिक्री से कमाई होती है। यानी पेमेंट सीधे कारोबार से जुड़ा है। लेकिन ब्रोकर के मामले में कस्टमर UPI से 2 लाख अपने ट्रेडिंग अकाउंट में डाल सकता है और उस दिन एक भी शेयर नहीं खरीद सकता। ऐसे में ब्रोकर को ट्रांजैक्शन से कोई ट्रेडिंग रेवेन्यू नहीं मिला, लेकिन UPI पेमेंट से जुड़ा MDR खर्च उसके ऊपर आ सकता है। यही वह अंतर है, जिस पर कामथ ने सवाल उठाया है। सरकार ने UPI को प्रमोट करने और फ्री रखने के लिए 2021-22 से प्रोत्साहन योजना शुरू की थी। इसके तहत ग्राहक से छोटे दुकानदार को होने वाले 2,000 तक के UPI पेमेंट पर 0.15% इंसेंटिव दिया जाता था। 2024-25 तक इस पर 8,276 करोड़ का इंसेंटिव दिया गया। देश में जून 2026 तक करीब 55.5 करोड़ UPI यूजर्स थे।

यूपी चुनाव 2027 ...

यहां कहा- एक समय उत्तर प्रदेश पर बदनुमा दाग लगा था। हर जिले का एक दुर्दांत माफिया नेतृत्व करता था। इंसेफ्लाइटिस भी माफिया और मच्छर की तरह खत्म हो गया है। आज वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज है। आज 75 जिले हैं, लेकिन 85 मेडिकल कॉलेज हैं। दूसरा- योगी ने शाम 4 बजे गोरखपुर विकास प्राधिकरण (GDA) के बनाए गए कल्याण मंडपम का लोकार्पण किया। इसे बनाने में 3 करोड़ 9 लाख रुपए खर्च हुए हैं। ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर बने हॉल में 300 लोगों के बैठने की क्षमता है। शादी और अन्य आयोजनों के लिए सस्ते दामों में इसकी बुकिंग करा सकेंगे। योगी ने शाम 4 बजे गोरखपुर विकास प्राधिकरण (GDA) की ओर से नकहा नंबर 2 में बनाए गए कल्याण मंडपम का लोकार्पण किया। इसे बनाने में 3 करोड़ 9 लाख रुपए खर्च हुए हैं। ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर बने हॉल में 300 लोगों के बैठने की क्षमता है। शादी और अन्य आयोजनों के लिए सस्ते दामों में इसकी बुकिंग करा सकेंगे। डॉ. अभिषेक ने कहा- मैंने पहले भी दो बार रक्तदान किया है। बहुत अच्छा लग रहा है। बोले- अधिक से अधिक संख्या में लोग आगे आएं और रक्तदान करें। यह एक बेहद सराहनीय और पुण्य का कार्य है। CM योगी ने कहा- सरकार से हमने हर जिला चिकित्सालय में डायलसिस के 10-10 बेड उपलब्ध करवाने की सुविधा शुरू कर दी है। एमबीबीएस की सीटें 13 हजार से अधिक हो गई हैं, पहले यह 4 हजार थी CM योगी ने कहा- 2001 में पूज्य महाराज जी (महंत अवेद्यनाथ) से चर्चा हो रही थी। मंदिर परिसर में एक भवन था। वहां हास्पिटल बनाने की चर्चा हुई। उन्होंने 10 बेड का अस्पताल शुरू करने को कहा। लेकिन यहीं के कुछ चिकित्सकों ने शुरू में ही उसे 100 बेड का अस्पताल बना दिया। कैसे चैरिटेबल अस्पताल चल सकता है, उसका उदाहरण गुरु गोरखनाथ अस्पताल बना। ब्लड बैंक शुरू हो सकता है, चैरिटी में चल सकता है, ब्लड सेपरेटर यूनिट लग सकती है, ये सभी कार्य डा. अवधेश अग्रवाल एक-एक करके करते गए। उस समय की सरकार सुविधा के लिए पैसा लेती थी, मैं कहता था कि घूस का पैसा नहीं दिया जाएगा। लेकिन ईश्वर की कृपा होती थी और कोई परिचित मिल जाता था तो एक सप्ताह में लाइसेंस मिल जाता था। पूर्वी उत्तर प्रदेश का पहला आईसीयू गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय ने शुरू किया। डायलसिस की 4 यूनिट वहां से शुरू होती थी। CM योगी ने कहा- आज यूपी से बाहर जाने पर पहचान का संकट नहीं होता था। लेकिन कभी इसी गोरखपुर में आपके साथ सड़क पर उतरकर मुझे आंदोलन करना होता था। आज पूरे प्रदेश में हर चिकित्सक, व्यापारी, नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा है। CM योगी ने कहा- पहल करने से कुछ भी हो सकता है। यह सीजन बहुत कठिन होता था। इंसेफ्लाइटिस से बच्चे दम तोड़ते थे। जिस समाज का बचपन कवलित हो जाए, वहां का समाज कैसे समृद्ध होगा। आज से 9 साल से पहले यही होता था। अब इंसेफ्लाइटिस भी माफिया व मच्छर की तरह खत्म हो गया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि एक समय प्रदेश के प्रत्येक जिले की पहचान किसी न किसी दुर्दांत माफिया से जुड़ गई थी। गोरखपुर में डॉक्टरों का अपहरण होता था।

भारत के खिलाफ लगातार सबसे ज्यादा टी-20 हारने वाली टीम बनी अफगानिस्तान

रोहित शर्मा के क्लब में शामिल हुए संजू सैमसन

मुकाबला

दिल्ली, एजेंसी

भारत ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी-20 मुकाबले में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया। मैच में फिफ्टी लगाने वाले भारतीय ओपनर संजू सैमसन अब रोहित शर्मा के क्लब में शामिल हो गए हैं। वे बतौर ओपनर टी-20 इंटरनेशनल मैचों में हजार रन बनाने वाले पांचवे भारतीय बन गए। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ लगातार 10वां टी-20 मैच जीता। यह भारत का किसी एक टीम के खिलाफ लगातार सबसे ज्यादा टी-20 जीत का रिकॉर्ड है। इसके अलावा मैच में कई इंटरेस्टिंग मोमेंट्स भी देखने को मिले। राशिद खान के एक ही ओवर में अभिषेक शर्मा और सैसमन छक्का लगाने के बाद अगली ही गेंद पर आउट हो गए।

भारत से लगातार 10वां टी-20 हारा अफगानिस्तान

अफगानिस्तान ने एक अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह भारत के खिलाफ लगातार सबसे ज्यादा टी-20 मैच हारने वाली टीम बन गई है। अफगानिस्तान ने 2010 से 2026 के बीच भारत के खिलाफ लगातार 10 मैच गंवाए हैं।

मोहम्मद नबी टी-20 इंटरनेशनल में 2,500+ रन बनाने और 100 से ज्यादा विकेट लेने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए हैं। साथ ही वे यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले अफगान क्रिकेटर भी हैं। उनके नाम 2,501 रन और 111 विकेट हैं।

> संजू सैमसन टी-20 इंटरनेशनल में बतौर ओपनर हजार रन पूरे करने वाले पांचवे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उनके नाम अब 1,026 रन हैं। रोहित शर्मा 3750 रन के साथ इस मामले में पहले स्थान पर हैं।

गुरबाज बिना रन बनाए अर्शदीप की गेंद पर कैच आउट हुए।

गुरबाज लगातार दूसरे मैच में बिना खाता खोले आउट

अफगानिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज लगातार दूसरे मैच में शून्य पर आउट हुए। दूसरे ओवर में अर्शदीप सिंह ने उन्हें कैच आउट कराया। अर्शदीप सिंह ने ओवर की तीसरी गेंद धीमी और शॉर्ट लेंथ डाली। गुरबाज ने फ्लैट-बैट शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन टॉप-एज लगा और गेंद मिड-ऑन पर गई। वहां खड़े रवि बिश्नोई ने आसानी से कैच कम्प्लीट किया। गुरबाज सिर्फ 3 गेंद खेल सके। पिछले मैच में भी वे 2 गेंद पर बिना रन बनाए आउट हुए थे।

ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे को 59 रन से हराया

रेनशॉ का पहला वनडे शतक, एलिस के 5 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने हरारे में खेले गए पहले वनडे में जिम्बाब्वे को 59 रन से हरा दिया। मैट रेनशॉ के पहले वनडे शतक की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने 294 रन बनाए।

जवाब में नाथन एलिस के करियर बेस्ट 5 विकेट के सामने जिम्बाब्वे की टीम 235 रन पर ऑलआउट हो गई। मैट रेनशॉ ने 88 गेंदों में अपना पहला वनडे शतक पूरा किया। उन्होंने 55 गेंदों में अर्धशतक लगाया और अगली 33 गेंदों में दूसरा अर्धशतक पूरा कर शतक तक पहुंचे। उनकी पारी में दो बड़े छक्के भी शामिल रहे, जिनमें से एक स्टेडियम की छत पर जा गिरा।

रेनशॉ ने एलेक्स कैरी और ओली पीक के साथ पार्टनरशिप की। उन्होंने कैरी के साथ पांचवें विकेट के लिए 83 गेंदों पर 72 रन की साझेदारी की। जबकि पीक के साथ

छठे विकेट लिए 69 गेंदों पर 75 रन की पार्टनरशिप की। पीक ने 30 गेंदों में 40 रन बनाए, जबकि रेनशॉ आखिरी ओवर में 104 रन बनाकर आउट हुए। 295 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की शुरुआत खराब रही। टीम ने 46 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद क्रेग एर्विन और सिकंदर रजा ने 98 रन की साझेदारी कर पारी संभाली। नाथन एलिस ने अपने दूसरे स्पेल में एर्विन को बोल्ड कर साझेदारी तोड़ी। एर्विन ने 52 रन बनाए। इसके बाद स्पेंसर जॉनसन ने रजा को शानदार यॉर्कर पर बोल्ड किया।

जोस बटलर ने रोहित को पीछे छोड़ा ब्रूक का 42 गेंद में शतक

इंग्लैंड की टी-20 में श्रीलंका पर लगातार 13वीं जीत

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड ने मंगलवार को पहले टी-20 मुकाबले में श्रीलंका को 119 रन से हरा दिया। यह इंग्लैंड की श्रीलंका के खिलाफ टी-20 मैच में लगातार 13वीं जीत है।

हैरी ब्रूक ने साउथैम्पटन में खेले गए इस मुकाबले में 42 गेंद पर शतक जमाया। उन्होंने इस पारी में 10 चौके और 6 छक्के लगाए। जोस बटलर ने 80 रन की पारी खेली।

बटलर ने टी-20 इंटरनेशनल में सबसे अधिक रन बनाने के मामले में रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया। उनके 161 मैचों में 4,292 रन हैं। रोहित के नाम 4,231 रन हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम 4,596 रन के साथ इस लिस्ट में पहले स्थान पर हैं। कप्तान ब्रूक और

बटलर की बदौलत इंग्लैंड ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 254 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम 19 ओवर में 135 रन पर ऑलआउट हो गई। ब्रूक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

हैरी ब्रूक ने 49 गेंदों में नाबाद 114 रन बनाए। उन्होंने 42 गेंद में शतक पूरा किया, जो इंग्लैंड के लिए टी-20 इंटरनेशनल में जॉइंट दूसरा सबसे तेज शतक है। लियाम लिविंगस्टोन भी 42 गेंदों में सेंचुरी लगा चुके हैं। फिल सॉल्ट के नाम 39 गेंदों में शतक का रिकॉर्ड है। हैरी ब्रूक का यह इस साल व्हाइट-बॉल क्रिकेट में उनका तीसरा शतक है। उन्होंने फरवरी में टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ 50 गेंदों में सेंचुरी लगाई थी। जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे में नाबाद 136 रन बनाए थे। इंग्लैंड ने पावरप्ले में 90 रन बनाए। यह टी-20 इंटरनेशनल में उसका दूसरा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। इंग्लैंड का सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर 91 रन है, जो उसने 2022 में ट्रेंट ब्रिज में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था।

6 अक्टूबर को अर्जेंटीना के लिए आखिरी मैच खेलेंगे, एएफए ने बेनिन के खिलाफ मुकाबले के लिए टीम में चुना

मेसी की इंटरनेशनल फुटबॉल से विदाई

नई दिल्ली, एजेंसी

लियोनेल मेसी इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास के बाद एक बार फिर अर्जेंटीना की जर्सी में नजर आएंगे। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने उन्हें 6 अक्टूबर को ब्यूनस आयर्स के मॉन्यूमेंटल स्टेडियम में बेनिन के खिलाफ होने वाले फ्रेंडली मैच के लिए टीम में शामिल किया है। यह मुकाबला मेसी की राष्ट्रीय टीम के साथ आधिकारिक विदाई के तौर पर खेला जाएगा।

AFA के अध्यक्ष क्लॉडियो तापिया ने सोशल मीडिया पर मेसी की विदाई की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि मेसी को वह सम्मानजनक विदाई देने के लिए बुलाया गया है, जिसके वे हकदार हैं।

तापिया ने यह भी बताया कि मेसी ने इस मुकाबले में शामिल होने का न्योता स्वीकार कर लिया है। अर्जेंटीना के 2022 वर्ल्ड कप विजेता खिलाड़ियों और उनके परिवारों को भी इस खास मैच में आमंत्रित किया जाएगा।

मेसी ने यह भी कहा कि उन्होंने अपने पास मौजूद सब कुछ दे दिया है। अब उनके पास देने के लिए कुछ और नहीं बचा है। वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना की हार के बाद मेसी के सामने सवाल था कि क्या उन्हें राष्ट्रीय टीम के साथ अपना सफर जारी रखना चाहिए। अपने पिता जॉर्ज मेसी की मौत के बाद उन्होंने इस फैसले पर गंभीरता से विचार किया। पिता की मौत के बाद मेसी ने अपने भविष्य को लेकर संदेह जताया था। उन्होंने कहा था कि उन्हें नहीं पता कि वह अर्जेंटीना के लिए कितने समय तक और खेल पाएंगे।

6 अक्टूबर को बेनिन से मुकाबला

अर्जेंटीना और बेनिन के बीच यह मैच मॉन्यूमेंटल स्टेडियम में खेला जाएगा। यह सितंबर-अक्टूबर की इंटरनेशनल विंडो में अर्जेंटीना का तीसरा घरेलू फ्रेंडली मुकाबला होगा। टीम इससे पहले 30 सितंबर को कॉर्डोबा में बोलीविया और 3 अक्टूबर को ब्यूनस आयर्स में बुर्किना फासो से खेलेगी।

पिता जॉर्ज मेसी (बाएं) के साथ लियोनेल, उनका 8 अगस्त को 68 साल की उम्र में निधन हो गया था।

मेसी ने 31 अगस्त को सोशल मीडिया पर संन्यास का ऐलान किया

मेसी ने 31 अगस्त को हाथ से लिखे 230 शब्दों के नोट को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास लेने की जानकारी दी थी। उन्होंने लिखा था कि यह फैसला लेना तकलीफदेह था। मैदान से दूर होने का विचार उन्हें अंदर तक दुख देता है, लेकिन उन्हें लगता है कि अब ऐसा करने का समय आ गया है। मेसी ने उस अर्जेंटीना की जर्सी को याद किया, जिसके लिए उन्होंने हमेशा संघर्ष किया। उन्होंने लिखा कि अब समय कम बचा है। हर चैप्टर खत्म होता है और नेशनल टीम का चैप्टर भी अब खत्म हो रहा है। उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना की टीम का हिस्सा बनना उन्हें पसंद था, पसंद है और हमेशा रहेगा।

मनोरंजन

उल्टी आरती कर रहे थे सलमान खान, बहन ने टोका

यूलिया वंतूर ने भी आरती की, सोहेल खान के गणपति विसर्जन में थिरका परिवार

नई दिल्ली। सलमान खान मंगलवार को खान परिवार के गणपति विसर्जन में शामिल हुए। उन्होंने परिवार के साथ बप्पा की आरती की। इस बार खान परिवार ने सोहेल खान के घर गणेश चतुर्थी का आयोजन किया था।

अब खान परिवार के विसर्जन का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें सलमान खान गणपति बप्पा की उल्टी आरती करते दिखे हैं। कुछ देर बाद बहन अर्पिता ने उन्हें टोकते हुए सही तरीका बताया, जिसके तुरंत बाद सलमान ने गलती सुधार ली।

सलमान खान के परिवार के गणपति विसर्जन में उनकी रूमर्ड गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर भी पहुंची। सलमान के ठीक बाद यूलिया ने आरती की। अर्पिता खान उन्हें भी आरती सिखाती दिखीं। विसर्जन से पहले खान परिवार ने की आरती

सोहेल खान के बिल्डिंग परिसर में हुए गणेश विसर्जन में पूरा खान परिवार शामिल रहा। सोहेल खान, अर्पिता शर्मा ने बच्चों के साथ आरती की। वहीं हेलेन और अन्य मेहमानों ने भी बप्पा के दर्शन किए। सलमान खान ने गणेश चतुर्थी में अपना लुक पूरी तरह बदल लिया है। वह सोहेल खान और अंबानी परिवार के घर गणेश स्थापना के बाद बैंडाना लुक में पहुंचे। ऐसा ही कुछ मिलता-जुलता लुक विसर्जन में दिखा। उन्होंने टी-शर्ट, हाफ लेदर जैकेट के साथ विंटर कैप पहन रखी थी। सोहेल खान के घर विसर्जन में पहुंचे सलमान का स्टाफ की गोद में सो रही एक बच्ची ने ध्यान खींच लिया। सलमान पास गए और बच्ची को सहलाया। सलमान खान अंबानी परिवार के गणपति सेलिब्रेशन का हिस्सा बने हैं। इस दौरान उन्होंने बप्पा का आशीर्वाद लिया और भगवान को फूल अर्पण किए।

> सलमान खान ने नए लुक के साथ एंटीलिया में एंट्री ली और तस्वीरें क्लिक कराईं। कुछ देर बाद उन्होंने गणपति प्रतिमा के सामने जाकर आशीर्वाद लिया। पंडित जी ने उन्हें तिलक लगाया और पटका पहनाया। आगे सलमान ने गणपति बप्पा को पुष्प अर्पित किए।

'सुशांत सिंह राजपूत के कातिल अब पकड़े जाएंगे'

एक्टर के एमएलए भाई बोले-उद्धव सरकार ने सबूत मिटाए

नई दिल्ली। एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत के मामले में CBI ने सोमवार को FIR दर्ज की है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2 सितंबर को दिशा के पिता की याचिका पर CBI जांच के निर्देश दिए थे।

FIR दर्ज होने के बाद एक्टर सुशांत सिंह के चचेरे भाई और बीजेपी विधायक नीरज बब्लू ने दावा किया है कि अगर दिशा के हत्यारे पकड़े जाते हैं, तो सुशांत की हत्या का राज भी खुल जाएगा।

नीरज बबलू ने आरोप लगाया कि उस वक्त महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की सरकार थी, जो उनके खिलाफ थी। उन्होंने जानबूझकर दोनों हत्याओं के मामलों को दबाने का काम किया। जब बिहार में सीबीआई जांच की मांग उठी, तब तक वहां सभी सबूत मिटा दिए गए थे और तथ्य छिपा लिए गए थे। पूर्व मंत्री ने बताया कि उस समय दिशा सालियान के पिता सदमे में थे, लेकिन महाराष्ट्र में सरकार बदलने और बीजेपी के सत्ता में आने के बाद उन्हें सुरक्षा और न्याय की उम्मीद जगी। इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया। अब हाईकोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने जांच बढ़ाते हुए एफआईआर दर्ज कर ली है।

मन्नत बेचने की बात पर शाहरुख बोले नई गैलरी से अब और भी चमकूंगा

शाहरुख खान ने मंगलवार को #AskSRK सेशन में फैंस के कई सवालों के जवाब दिए। उन्होंने 300 करोड़ रुपए की कीमत वाले अपने घर 'मन्नत' के रेनोवेशन और नई गैलरी को लेकर अपडेट दिया। एक फैन ने मजाक में मन्नत बेचने की बात कही तो शाहरुख ने कहा कि नई गैलरी बन रही है और अब वह वहीं से फैंस को नजर आएंगे। उन्होंने फिल्म 'किंग' की रिलीज डेट भी कन्फर्म की और बताया कि फिल्म 24 दिसंबर को ही सिनेमाघरों में आएगी।

शाहरुख खान सोशल मीडिया के जरिए फैंस से जुड़े रहते हैं। मंगलवार को उन्होंने एक्स पर #AskSRK सेशन किया। एक फैन ने उनकी चर्चित बालकनी को लेकर मजाकिया अंदाज में लिखा कि अगर वह वहां आकर फैंस का अभिवादन नहीं कर रहे हैं तो मन्नत बेच देनी चाहिए।

शाहरुख के जन्मदिन और दूसरे खास मौकों पर फैंस उनके घर के बाहर बड़ी संख्या में जुटते हैं। अभिनेता भी मन्नत की बालकनी से हाथ हिलाकर उनका अभिवादन करते रहे हैं।

फैन के कमेंट पर शाहरुख ने अपने अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वह मन्नत में नई गैलरी बनवा रहे हैं और अब उसी गैलरी से फैंस को नजर आएंगे। शाहरुख ने लिखा, 'अब नई गैलरी बना रहा हूं ना तो और भी चमकूंगा नई गैलरी पर। साथ ही, उम्मीद है कि मेरे पास पकड़ने के लिए कुछ सहारा भी होगा।'

एक्ट्रेस अंबिका बोलीं- अगर इससे वो शर्मिंदगी का सामना करते हैं, तो सावधानी बरतनी चाहिए

तृषा को थलापति विजय के साथ न दिखने की सलाह

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और अभिनेता विजय तथा अभिनेत्री त्रिशा कृष्णन की हालिया साथ मौजूदगी फिर चर्चा में है। दोनों ब्रिटेन के सिल्वरस्टोन में अजित कुमार की ले मैन्स कप रेस में नजर आए। विजय ने इस इवेंट को फ्लैग ऑफ किया। रेस से एक वीडियो सामने आया, जिसमें तृषा, विजय के साथ बालकनी में नजर आईं।

इसी बीच दिग्गज अभिनेत्री अंबिका ने तृषा को विजय के साथ सार्वजनिक जगहों पर दिखने को लेकर सावधानी बरतने की सलाह दी। अंबिका ने साउथ की न्यूड वेबसाइट रेडपिक्स को दिए इंटरव्यू में कहा, "तृषा को शायद लगता होगा कि वो और विजय सिर्फ दोस्त हैं, तो उन्हें आलोचना से फर्क नहीं पड़ता। लेकिन विजय एक बड़े पद पर हैं और साथ नजर आने से उसे शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है या इसका बुरा असर पड़ता है, तो मैं अगर तृषा की जगह होती तो ऐसा नहीं करती। मैं पीछे हट जाती और विजय के लिए मुश्किल खड़ी नहीं करती।"

अंबिका ने यह भी कहा कि सिर्फ इसलिए दोस्ती खत्म नहीं की जा सकती, क्योंकि दोनों में से एक व्यक्ति बड़े पद पर पहुंच गया है।

अंबिका साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं।

रेस में साथ पहुंचने से फिर चर्चा में आया अफेयर रूमर

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और एक्टर थलापति विजय ने शनिवार को सिल्वरस्टोन में मिशेलिन ले मैन्स कप रेस की हरी झंडी दिखाकर ओपनिंग की। साउथ स्टार अजीत कुमार इस रेस में शामिल थे, जिन्होंने 38वां स्थान हासिल किया है। हालांकि इस रेस के दौरान थलापति विजय के साथ रूमर्ड गर्लफ्रेंड तृषा कृष्णन की मौजूदगी ने ध्यान खींच लिया है।

सोशल मीडिया पर रेस से जुड़े कई वीडियो सामने आ रहे हैं। कुछ में विजय, तृषा के साथ रेस एंजॉय करते दिखे, कुछ में एक्टर अजीत से रेस से पहले मुलाकात करते तो कभी रेस को हरी झंडी दिखाते।

बांग्लादेश की फैक्ट्रियों में काम रुका, फिलीपींस में मछुआरों ने नावें रोक दीं

ईरान युद्ध से तेल महंगा दुनियाभर में गुस्सा बढ़ा

संकट

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान युद्ध का असर अब पश्चिम एशिया से बाहर भी दिखाई देने लगा है। कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। इसका असर हर देश में अलग तरह से दिख रहा है।

कहीं पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें हैं, कहीं खाना पकाने की गैस नहीं मिल रही। फिलीपींस में मछुआरे महंगे डीजल के कारण समुद्र में नहीं जा पा रहे हैं।

बांग्लादेश में गैस और बिजली की कमी से कपड़ा फैक्ट्रियों का काम प्रभावित हुआ है। श्रीलंका में सरकार इस उलझन में है कि ईंधन की कीमत बढ़ाए या सब्सिडी देकर लोगों को राहत दे। वहीं, सीरिया और ग्वाटेमाला में महंगे ईंधन के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर आए। पुर्तगाल में ड्राइवरों ने धीमी रफ्तार से गाड़ियां चलाकर और लगातार हॉर्न बजाकर विरोध किया।

इंडोनेशिया में सोमवार को एक दुकानदार एलपीजी के घरेलू सिलेंडरों को अलग कर रहा है। जकार्ता, पूर्वी जावा और मध्य जावा में 12 किलो वाले एलपीजी सिलेंडरों की कीमत बढ़ा दी गई है।

इंडोनेशिया: पेट्रोल के लिए कतार, गैस की भी कमी

इंडोनेशिया के सुलावेसी प्रांत में खाना पकाने वाली गैस की कमी और बिजली कटौती की शिकायतें सामने आई हैं। कुछ जगहों पर पेट्रोल की राशनिंग भी शुरू की गई है।

पेट्रोल पंपों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं। कई लोग खाली टैंक वाली बाइक को धक्का देकर पंप तक ले जाते नजर आ रहे हैं।

ईंधन की राशनिंग के खिलाफ टैक्सी ड्राइवरों ने प्रदर्शन किया। जावा के योग्याकार्ता में छात्रों ने भी बढ़ती ईंधन कीमतों के खिलाफ विरोध किया।

फिलीपींस: डीजल इतना महंगा कि मछुआरों ने नावें रोक दीं

मनीला बे के मछुआरे कई हफ्तों की बारिश के बाद समुद्र में लौटने की तैयारी कर रहे थे। लेकिन महंगे डीजल ने उनकी मुश्किल बढ़ा दी।

बड़ी संख्या में मछुआरे नाव लेकर समुद्र में नहीं गए, क्योंकि उनके पास ईंधन खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं हैं।

मछुआरा संगठन के नेता फर्नांडो हिकाप ने कहा कि कई लोग दोबारा मछली पकड़ने के लिए तैयार थे, लेकिन नाव में डालने के लिए ईंधन खरीदना उनके लिए मुश्किल हो गया है।

फिलीपींस की राजधानी मनीला में तेल की बढ़ती कीमतों के विरोध में प्रदर्शन किया गया।

बांग्लादेश: गैस की कमी से कपड़ा उद्योग प्रभावित

बांग्लादेश की मुश्किल सीधे उद्योग तक पहुंच गई है। देश अपनी जरूरत का 90% से ज्यादा पेट्रोलियम आयात करता है और बड़ी मात्रा में तेल मिडिल ईस्ट से आता है।

ईंधन और गैस की कमी के कारण बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ है। इसका असर देश के कपड़ा उद्योग पर भी पड़ा है। कुछ फैक्ट्रियों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा।

ईरान में उड़ान भरते ही विमान का टायर फटा

बोइंग 737 के इंजन में भी खराबी आई

मशहद, एजेंसी

ईरान के मशहद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान का हवा में ही एक टायर फट गया। RT के मुताबिक, सेफरान एयरलाइंस के बोइंग 737 विमान के टायर फटने के बाद इंजन को भी नुकसान पहुंचा।

इसके चलते पायलट ने विमान को सुरक्षित वापस मशहद ले जाने का फैसला किया। यह विमान मशहद से केरमानशाह जा रहा था। घटना के दौरान विमान के अंदर बैठे यात्री काफी घबरा गए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, विमान में सवार सभी लोगों को सुरक्षित उतार लिया गया और किसी के घायल होने की जानकारी नहीं है।

ईरान के रजावी खोरासान प्रांत की सरकार ने बताया की यह घटना स्थानीय समय के मुताबिक शाम 5:39 बजे हुई। ईरानी न्यूज एजेंसी आखरीन खबर ने घटना का एक वीडियो जारी किया है। वीडियो में दिख रहा है कि लैंडिंग के दौरान विमान की छत की अंदरूनी परत का एक हिस्सा टूटकर यात्रियों के ऊपर गिर गया।

हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की जानकारी नहीं है। सेफरान एयरलाइंस के प्रवक्ता हसन जाफरी ने सरकारी न्यूज एजेंसी फार्स को बताया कि सभी यात्री सुरक्षित विमान से बाहर निकल गए। इसके बाद उन्हें दूसरी फ्लाइट से केरमान-शाह भेजने की व्यवस्था की गई।

फास्ट न्यूज

पाकिस्तान में चरम पर महंगाई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में ऊर्जा संकट गहराता जा रहा है और इसके साथ ही पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मुश्किलें भी बढ़ती जा रही हैं। पाकिस्तान में तेल और गैस की कीमतें आसमान छू रही हैं। मिडिल ईस्ट में अमेरिका-ईरान के बीच चल रहे युद्ध की वजह से तेल की कीमतें बढ़ रही हैं और ईंधन महंगा हो रहा है। इसी के चलते पाकिस्तान सरकार पेट्रोल की खपत कम करने के उपायों पर विचार कर रही है।

एम्प्लॉई की सैलरी 25,000 तक तो पीएफ देना अनिवार्य

नई दिल्ली। अब कंपनियों को 25 हजार रुपए तक सैलरी पाने वाले कर्मचारियों को PF के दायरे में शामिल करना ही होगा। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को EPF और EPS के लिए अनिवार्य बेसिक सैलरी लिमिट 15,000 से बढ़ाकर 25,000 प्रति महीना कर दी है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इससे 51 लाख कर्मचारियों को पीएफ बचत और पेंशन का सीधा फायदा मिलेगा।

अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी + महंगाई भत्ता अगर 25,000 या उससे कम है, तो कंपनी को उस कर्मचारी को EPF में शामिल करना अनिवार्य है।

सेंसेक्स 400 अंक बढ़कर 74,400 पर आया

नई दिल्ली। शेयर बाजार में आज16 सितंबर को तेजी है। सेंसेक्स 400 अंक की तेजी के साथ 74,400 पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी 130 अंक की तेजी है, ये 23,250 पर आ गया है। FMCG और ऑटो शेयर्स में ज्यादा खरीदारी है। एसएस रिटेल, जिंदल सुप्रीम और हीरो मोटर्स के IPO आज से ओपन हो गए हैं।

अमेरिका में पढ़े विदेशियों का वहां नौकरी करना मुश्किल

40 हजार की जगह 1 करोड़ वसूलने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

अब ट्रम्प सरकार अमेरिका में पढ़े विदेशी छात्रों की नौकरी महंगा करने की तैयारी कर रही है। पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी करने के लिए छात्रों को करीब 40 हजार की जगह 96 लाख रुपए (1 लाख डॉलर) फीस देनी पड़ सकती है।

यह फीस ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (OPT) के लिए रखी गई है। इसके तहत विदेशी छात्रों को पढ़ाई पूरी करने के बाद अमेरिका में नौकरी करने की अनुमति मिलती है।

इस प्रस्ताव को व्हाइट हाउस की मंजूरी मिल चुकी है। हालांकि, अभी यह नियम लागू नहीं हुआ है। लागू करने से पहले लोगों और संस्थानों से इस पर आपत्तियां और सुझाव मांगे जाएंगे। अमेरिका में अभी 3.63 लाख भारतीय समेत 11 लाख विदेशी छात्र हैं।

ग्रेजुएशन करने वाले विदेशी छात्रों को आम तौर पर 12 महीने तक काम करने का मौका मिलता है। वहीं, साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथ्स यानी STEM विषयों के छात्रों को इसके अलावा 24 महीने का समय दिया जाता है। यानी STEM छात्रों को कुल 36 महीने तक अमेरिका में काम करने का मौका मिल सकता है।

अमेरिका में पढ़ाई करने वाले विदेशी छात्रों के लिए यह खर्च ट्यूशन फीस और रहने-खाने के खर्च के अलावा होगा। इससे पढ़ाई के बाद अमेरिका में काम करने की योजना बना रहे छात्रों पर ज्यादा आर्थिक बोझ पड़ेगा।

एनबीसी की पत्रकार, पायलट और जमीन पर एक व्यक्ति की मौत

अमेरिका में कवरेज के दौरान हुआ एनबीसी चैनल का हेलिकॉप्टर क्रैश

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के लॉस एंजिल्स में मंगलवार शाम NBC न्यूज का हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। हेलिकॉप्टर एक बस और SUV की टक्कर की कवरेज कर रहा था। हादसे की खबर मिलते ही NBC लॉस एंजिल्स ने लाइव कवरेज रोक दी।

हेलिकॉप्टर में पायलट जॉर्ज मार्सिनिव और फोटो जर्नलिस्ट एलियाना मोरेनो सवार थे। दोनों की मौत हो गई। जमीन पर मौजूद एक शख्स की भी हादसे में मौत हुई है।

फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक, हादसे के बाद 2 लोगों को अस्पताल ले जाया गया। उनकी हालत की जानकारी नहीं दी गई। हेलिकॉप्टर क्रैश से करीब 2 घंटे पहले नॉर्डहॉफ स्ट्रीट पर लॉस एंजिल्स मेट्रो बस और एक यात्री वाहन की टक्कर हुई थी। फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक, इस हादसे में 2 लोगों की मौत हुई और कई लोग घायल हुए।

अमेरिका के लॉस एंजिल्स में NBC न्यूज का हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया, जिसके बाद उसमें आग लग गई।

स्टोरेज फैसिलिटी की पार्किंग में गिरा हेलिकॉप्टर

हेलिकॉप्टर लॉस एंजिल्स के सैन फर्नांडो वैली के चैट्सवर्थ इलाके में एक सेल्फ-स्टोरेज फैसिलिटी के पास पार्किंग में गिरा। इसके बाद हेलिकॉप्टर में आग लग गई और पास खड़ी गाड़ियां भी इसकी चपेट में आ गईं। NBC एंकर कोलीन विलियम्स ने लाइव शो के दौरान बताया कि स्टेशन का हेलिकॉप्टर शाम करीब 7 बजे क्रैश हुआ। उन्होंने कहा कि चैनल का हेलिकॉप्टर में सवार लोगों से संपर्क टूट गया था।

NBC के मुताबिक, कई न्यूज हेलिकॉप्टर इस हादसे की कवरेज कर रहे थे। ये हेलिकॉप्टर भी उन्हें में शामिल था। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (NTSB) और फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (FAA) हेलिकॉप्टर क्रैश की जांच करेंगे।

लॉस एंजिल्स की मेयर करेन बास ने हादसे को शहर के लिए 'दिल तोड़ने वाली रात' बताया। उन्होंने दोनों हादसों में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने भी मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

दिल्ली में पाक हाईकमिश्नर तलब, 15 साल पहले भी टकराए थे भारतीय-पाकिस्तानी वॉरशिप

पाकिस्तानी नेवी शिप अरब सागर में भारतीय युद्धपोत से टकराया

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तानी नौसेना का एक जहाज अरब सागर के अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में भारतीय नौसेना के जहाज से टकराया है। घटना कब की है यह जानकारी नहीं दी गई है। इससे पहले 2011 में भी भारत-पाकिस्तान के जहाजों में टक्कर हुई थी।

भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारतीय युद्धपोत नियमित निगरानी मिशन पर था। दूसरी तरफ से पाकिस्तानी जहाज तेज रफ्तार में आया और गलत तरीके से दिशा बदली। दोनों टकरा गए। घटना में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है।

सूत्रों के मुताबिक, टक्कर में शामिल पाकिस्तानी जहाज का नाम पीएनएस हुनैन है। यारमूक क्लास का यह जहाज समुद्री निगरानी और गश्त में इस्तेमाल होता है। भारतीय नौसेना के जिस जहाज से इसकी टक्कर हुई, उसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

इस घटना के बाद भारत ने नई दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन के चार्ज डी'अफेयर्स को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारत ने इस घटना को अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर बताया। भारत और पाकिस्तान की नौसेनाओं के बीच समुद्र में इस तरह की घटना पहले भी हो चुकी है। 2011 में भारतीय नौसेना के INS दोगावरी और पाकिस्तानी नौसेना के PNS बाबर के बीच भी टक्कर हुई थी।

टक्कर को लेकर पाकिस्तान ने आरोप लगाया था कि भारतीय जहाज ने उसके काम में रुकावट डाली और खतरनाक तरीके से जहाज चलाया।

भारत ने इस आरोप को गलत बताया। भारत के मुताबिक, PNS बाबर ने INS गोदावरी को दाईं तरफ से पार करने की कोशिश की और इसी दौरान उसके हेलिकॉप्टर डेक वाले हिस्से से टकरा गया।

दिशा बदलने के दौरान दोनों की टक्कर हुई

ANI के मुताबिक, भारतीय नौसेना का एक युद्धपोत उत्तर अरब सागर में नियमित निगरानी मिशन पर था। इसी दौरान पाकिस्तानी नौसेना का एक जहाज तेज रफ्तार से भारतीय जहाज के करीब आ गया।

पाकिस्तानी जहाज ने जिस तरह अपनी दिशा बदली, उसे असुरक्षित और गैर-पेशेवर बताया गया है। इसके बाद दोनों जहाजों के बीच दूरी लगातार कम होती गई और आखिर में वे आपस में टकरा गए। टक्कर में किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। हालांकि, अभी दोनों जहाजों के नाम और टक्कर की सही जगह की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

इजराइल को 26 हजार करोड़ के हथियार देंगे ट्रम्प

900 किलो के 40 हजार बम शामिल

लंदन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का प्रशासन इजराइल को 2.8 अरब डॉलर यानी करीब 26 हजार करोड़ के हथियार देने की तैयारी कर रहा है। इस पैकेज में करीब 40 हजार भारी बम शामिल हैं।

हर बम का वजन 2000 पाउंड यानी करीब 900 किलो है। इन बमों की सप्लाई पर पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2024 में रोक लगाई थी।

प्रस्तावित हथियार पैकेज में 20 हजार Mk84 और 20 हजार BLU-117 बम शामिल हैं। डील अभी फाइनल नहीं हुई है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, कांग्रेस को इसकी अनौपचारिक जानकारी दे दी गई है। 2024 में बाइडेन प्रशासन ने 2,000 पाउंड के इन बमों की एक खेप इजराइल भेजने पर रोक लगा दी थी। उस समय चिंता थी कि गाजा जैसे घनी आबादी वाले इलाके में इनका इस्तेमाल होने पर बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो सकती है।

ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद यह रोक हटा दी गई। अब उनका प्रशासन इन्हीं बमों की बड़ी संख्या वाली नई डील की तैयारी कर रहा है। इन 900 किलो के बमों के अलग-अलग मॉडल हैं। कुछ को जमीन के अंदर मौजूद ठिकानों को निशाना बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, जबकि कुछ जमीन के ऊपर फटकर बड़े इलाके में भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

खात्मा : यह इस्लाम का सबसे पवित्र शहर, हूती बोले- मक्का को हमसे कोई खतरा नहीं

सऊदी ने मक्का के पास हूती ड्रोन मार गिराया

मक्का, एजेंसी

सऊदी अरब के एयर डिफेंस सिस्टम ने मंगलवार को मक्का के दक्षिण में एक हूती ड्रोन को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने बुधवार को बताया कि ड्रोन को मक्का के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में दाखिल होने से पहले ही मार गिराया गया।

सैन्य गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मलिकी ने कहा कि इस्लाम के पवित्र स्थलों और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सऊदी अरब के लिए रेड लाइन है। उन्होंने कहा कि गठबंधन हूतियों के खिलाफ जरूरी कदम उठाएगा। वहीं हूति विद्रोहियों ने मक्का या दूसरे पवित्र स्थलों को निशाना बनाने की बात से इनकार किया है। हूतियों की समाचार एजेंसी SABA के मुताबिक, संगठन से मक्का या अन्य पवित्र स्थलों को कोई खतरा नहीं है। इस्लामिक सहयोग संगठन (OIC) ने मक्का और मदीना क्षेत्र में हूती हमलों की निंदा की है।

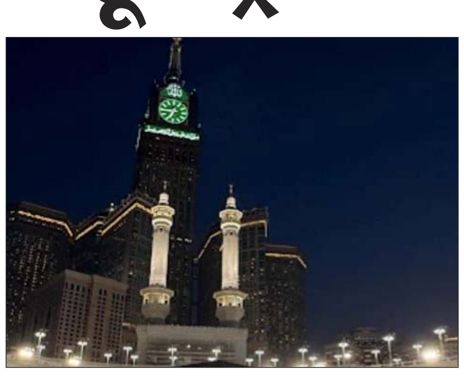

> हूतियों ने पिछले एक हफ्ते सऊदी अरब के खिलाफ कई हमलों का दावा किया है। सोमवार को संगठन ने एक एयरबेस को निशाना बनाने की बात कही थी। हूतियों के मुताबिक, यह कार्रवाई यमन पर हुए हवाई हमलों के जवाब में की गई।

संगठन ने कहा कि पवित्र जगहों, मस्जिदों और आम लोगों के ठिकानों पर हमला करना आतंकवाद है। ऐसी कार्रवाई इस्लाम की सीख और अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है।

ईरान से जुड़े हूतियों का आरोप है कि सऊदी अरब यमन में हवाई हमले कर रहा है और क्रूज मिसाइलें दाग रहा है। यमन के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों में हूती लड़ाकों और सऊदी समर्थित सरकारी बलों के बीच भारी लड़ाई चल रही है।

इसी बीच हूतियों ने यमन के पश्चिमी लाल सागर तट पर तेजी से अपना कब्जा बढ़ाया है। उन्होंने सोमवार को इस इलाके में दो और द्वीप ग्रेटर हनीश और लेसर हनीश पर भी कब्जा कर लिया। ये दोनों द्वीप बाब अल-मंदेब स्ट्रेट से करीब 160 किमी उत्तर में स्थित हैं।

मक्का इस्लाम का सबसे पवित्र शहर

मक्का इस्लाम का सबसे पवित्र शहर है। यहां मुस्लिमों के प्रमुख पवित्र स्थल हैं और हर साल दुनिया भर से लाखों लोग हज के लिए पहुंचते हैं। अल-मलिकी ने इस घटना को मक्का को निशाना बनाने की हूतियों की दूसरी कोशिश बताया। इससे पहले जुलाई 2017 में गठबंधन ने हूतियों पर मक्का की ओर बैलिस्टिक मिसाइल दागने का आरोप लगाया था।

केएच-101 मिसाइलों के साथ बैरेन्ट सागर में गश्त

यूरोपीय क्षेत्र में रूस का शक्ति प्रदर्शन

मॉस्को, एजेंसी

यूक्रेन के साथ बढ़ते तनाव के बीच रूस की नई रणनीति सामने आई है। इस बार रूस ने अपने शक्तिशाली रणनीतिक बमवर्षक विमानों के जरिए यूरोपीय क्षेत्र में एक बार फिर अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन किया है।

रूस के रक्षा मंत्रालय से जुड़े रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूसी Tu-95MS बमवर्षकों ने बैरेन्ट सागर और नॉर्वेजियन सागर के ऊपर करीब 5 घंटे तक लगातार गश्त की।

बता दें कि रूस के ये Tu-95MS बमवर्षक हवा में करीब 5 घंटे तक रहे। इन्होंने स्कैंडिनेवियाई देशों के उत्तर में स्थित अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र के ऊपर से उड़ान भरी। आमतौर पर ट्रेनिंग या सामान्य उड़ानों के दौरान ये रणनीतिक विमान मिसाइलें लेकर नहीं उड़ते हैं। हालांकि इस बार ये विमान Kh-101 क्रूज़ मिसाइलों से लैस थे। इन बमवर्षकों की सुरक्षा के लिए रूसी नौसेना के Su-33 फाइटर जेट्स ने उन्हें एस्कॉर्ट किया।

बात अगर Kh-101 क्रूज मिसाइल की करें तो, यह रूस की एक बेहद आधुनिक और लंबी दूरी की मिसाइल है, जिसे खासतौर पर जमीन पर मौजूद ठिकानों को निशाना बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह लॉन्च होने के बाद अपने नेविगेशन सिस्टम की मदद से खुद-ब-खुद अपने टारगेट तक पहुंचती है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676